हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन

उम्मीदों भरे भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्णः संजय धोत्रे, कार्यक्रम में 757 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने मुख्य अतिथि के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद धर्मबीर सिंह समारोह में ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। विवि के मूलचंद सभागार में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथि संजय धोत्रे ने कहा कि आज का भारत उम्मीदों का भारत है और नए भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका अहम है। केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

खास बातें

- 22 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 14 को पीएचडी की डिग्री 08 को एमफिल और 737 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि मिली

कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी

उज्ज्वल भविष्य की कामना

विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलपति ने उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कुलपति ने उनके माता-पिता व शिक्षकों की भी सराहना की, जिन्होंने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद की।

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी मुख्य अतिथि के साथ। *फोटो: हरिभूमि*

22 स्वर्ण पदक सहित 757 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के सातवें दीक्षांत समारोह में कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 107 तथा बीवॉक में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 14 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 08 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल हैं।

03 नए पेटेंट दायर किए

विवि की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. कुहाड़ ने कहा कि तीन नई शोध परियोजनाओं एवं पिछले एक वर्ष में अतिरिक्त अनुदान के रूप में 25.70 लाख रुपये जारी किए जाने के साथ, वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा 20 वित्त पोषित शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले एक वर्ष के दौरान 03 नए पेटेंट दायर किए गए और 04 पेटेंट प्रकाशित किए गए। विवि के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और 83 पुस्तकों या पुस्तक अध्यायों में 195 शोध पत्र प्रकाशित किए। इसी कड़ी में सूक्ष्मजीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा विषयक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स ने 50 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, संस्थानों व खाद्य उद्योगों के 3617 शिक्षार्थियों के रिकॉर्ड नामांकन के साथ तीसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस कोर्स का यूजीसी और सीईसी ने 10 अलग-अलग भारतीय भाषाओं में अनुवाद एवं इसके उपशीर्षक की शुरूआत की है।

'नए भारत के निर्माण में नीति व नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण'

हकेंवि का सातवां दीक्षांत समारोह हुआ, 22 को स्वर्ण, 14 को पीएचडी और 737 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रदान करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ • साभार हकेंवि।

विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं के साथ विश्वविद्यालय कुलपति व अन्य • साभार हकेंवि

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह समारोह में आनलाइन माध्यम से शामिल हुए। विश्वविद्यालय के मूलचंद सभागार में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई।

संजय धोत्रे ने कहा कि आज का भारत उम्मीदों का भारत है और नए भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका अहम है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है और समूचा विश्व भारत के प्रति सम्मान रखता है और उसकी ओर उम्मीदों के देखता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने आभासी माध्यम से जुड़े मुख्य अतिथि के समक्ष अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने कहा कि आज का यह दिन बेहद खास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत बहुत तीव्र गति ने उन्नति कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश को 21वीं सदी में वैश्विक ज्ञान का सुपरपावर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। यह शिक्षा नीति विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के भरपूर अवसर प्रदान करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों व विद्यार्थियों की भूमिका की सराहना की। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि इस वर्ष हमारे सामने आई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, हमने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य और दृष्टिकोण को कमजोर नहीं होने दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह केंद्रीय शिक्षामंत्री व शिक्षा राज्यमंत्री के निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा से संभव हो सका है, जिन्होंने देश भर के छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों के व्यवस्थापकों को प्रेरित करने के लिए सच्चे योद्धा के रूप में अथक प्रयास किया। यह उपाधि एक 'अंत' नहीं है, अपितु 'साधन' है, जिसके माध्यम से आप अब जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार हो गए हैं।

उपाधिधारकों से यह अपेक्षा करते हैं कि वे अपने व्यावसायिक जीवन में अपने ज्ञान और कौशल का सर्वोत्तम उपयोग करके अनुकरणीय मानक स्थापित करेंगे। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि तीन नई शोध परियोजनाओं एवं पिछले एक वर्ष में अतिरिक्त अनुदान के रूप में 25.70 लाख रुपये जारी किए जाने के साथ, वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा 20 वित्त पोषित शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

इसके अलावा, पिछले एक वर्ष के दौरान तीन नए पेटेंट दायर किए गए और चार पेटेंट प्रकाशित किए गए। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और 83 पुस्तकों या पुस्तक अध्यायों में 195 शोध पत्र प्रकाशित किए। इसी कड़ी में सूक्ष्मजीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा विषयक मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स ने 50 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, संस्थानों व खाद्य उद्योगों के 3617 शिक्षार्थियों के रिकार्ड नामांकन के साथ तीसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एक आनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम शुरू किया है, जिसमें 34 विषयों की 260 से अधिक पाठ्यक्रमों की ई-सामग्री उपलब्ध है। दीक्षांत समारोह में कुलसचिव डा. जेपी भूकर, परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव, वित्त अधिकारी मनोरंजन त्रिपाठी ने भी संबोधित किया।

757 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां: हकेंवि के सातवें दीक्षांत समारोह में कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 107 तथा बीवाक में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 14 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 8 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल हैं। इनमें से 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

नाम	कार्यक्रम
बिश्वजीत सरकार	एमफिल- शिक्षा
तनु यादव	एमफिल अंग्रेजी
आदिति श्रीवास्तव	बीवाक बायोमेडिकल साइंसेज
विजय कुमार	बीवाक- औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन
आनन्दा कृष्णन वी	बीवाक- खुदरा एवं रसद प्रबंधन
दीपक खुडानिया	बीटेक- सिविल इंजीनियरिंग
शुभम राघव	बीटेक- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
हरीश कुमार	बीटेक- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
मितेश कुमार	बीटेक- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
आशाबारी पांडा	बीएड
अश्विनी अजगर	बीटेक- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
निधि शर्मा	एमए-एजुकेशन
उदिता गुप्ता	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
विपिन कुमार शर्मा	एमएससी- बायोकेमेस्ट्री
अंजलि तंवर	एमएससी- बायोटेक्नोलॉजी
रक्षित गौतम	एमएससी रसायनविज्ञान
करिश्मा सिन्हा	एमएससी- पर्यावरण विज्ञान
प्रतीक्षा चौहान	एमएससी- गणित
विनिता शर्मा	एमएससी सूक्ष्मजीवविज्ञान
ईशा गुप्ता	एमएससी- पोषण जीवविज्ञान
सूर्यानी गुहा	एमएससी- भौतिकी
दीक्षा	एमएससी- सांख्यिकी

उम्मीदों भरे भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण: संजय

हकेंवि के सातवें दीक्षांत समारोह का ऑनलाइन हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार, 27 फरवरी को हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री संजय धोत्रे मुख्य अतिथि के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से संसद सदस्य श्री धर्मबीर सिंह समारोह में ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। विश्वविद्यालय के मूलचंद सभागार में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संजय धोत्रे ने कहा कि आज का भारत उम्मीदों का भारत है और नए भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका अहम है। केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है और समूचा विश्व भारत के प्रति सम्मान रखता है और उसकी ओर उम्मीदों के देखता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने आभासी माध्यम से जुड़े मुख्य अतिथि के समक्ष अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया।

विद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री संजय धोत्रे ने सभी उपाधिधारकों व स्वर्णपदक विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का यह दिन आप सभी के लिए बेहद खास है। आप सभी ने इस दिन के लिए कड़ी मेहनत की है। साथ ही आपके माता-पिता ने भी आपको जीवन में असीम ऊँचाइयों पर देखने के लिए बहुत त्याग व बलिदान दिया है। आज का दिन विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके परिवारों व अध्यापकों के लिए गौरवशाली दिन है। श्री धोत्रे ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत बहुत तीव्र गति से उन्नति कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश को 21वीं सदी में वैश्विक ज्ञान का सुपरपावर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। यह शिक्षा नीति मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच के साथ विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के भरपूर अवसर प्रदान करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों व विद्यार्थियों की भूमिका की सराहना की और कहा कि अब समय आ गया है कि आप इस विकास यात्रा के साझीदार बने। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अब हमारा मूल मंत्र है सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास। श्री धोत्रे ने इस अवसर पर हरियाणा राज्य का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वो पावन भूमि है जो देश भर में कृषि विकास के लिए पहचानी जाती है। इस भूमि ने देश की सेवा में जो अपने युवाओं की आहूति दी है वो अविस्मरणीय है। उन्होंने राज्य की महिला शक्ति का उल्लेख करते हुए कल्पना चावला, रानी रामपाल, साक्षी मलिक तथा फोगाट बहनों के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा वो राज्य है जिसके कण-कण में राष्ट्रभक्ति है और रग-रग में देश प्रेम दौड़ता है। श्री धोत्रे ने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने तथा छोटे लक्ष्यों से संतुष्ट न होने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की अपील भी की। इस अवसर पर श्री संजय धोत्रे ने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का उनकी उपस्थिति के लिए हृदय से आभार प्रकट किया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में 441 छात्र और 316 छात्राओं को दी डिग्री

22 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 14 को पीएचडी व 8 को मिली एमफिल की डिग्री

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि के 7वें दीक्षांत समारोह का ऑनलाइन आयोजन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से संसद सदस्य धर्मबीर सिंह शामिल हुए। इस दौरान 22 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 14 को पीएच.डी., 08 को एमफिल और 737 विद्यार्थियों को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि दी गई।

दीक्षांत समारोह की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय धोत्रे ने कहा कि आज का भारत उम्मीदों का भारत है और नए भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका अहम है। विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने मुख्यातिथि के समक्ष प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा विवि की स्मारिका का विमोचन किया। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने सभी उपाधिधारकों व स्वर्णपदक विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। कहा कि आपके माता-पिता ने आपको जीवन में असीम ऊंचाइयों पर देखने के लिए बहुत त्याग व बलिदान दिया है। धोत्रे ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत बहुत तीव्र गति ने उन्नति कर रहा है। धोत्रे ने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने तथा छोटे लक्ष्यों से संतुष्ट न होने का आह्वान किया।

उम्मीदों भरे भारत के निर्माण में नीति, नियत और नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण : संजय धोत्रे

विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं के साथ विश्वविद्यालय कुलपति व अन्य।

दीक्षांत समारोह में छात्रा को उपाधि प्रदान करते कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़।

नई शोध परियोजनाओं पर 25.70 लाख रुपए खर्च : वीसी
प्रो. कुहाड़ ने कहा तीन नई शोध परियोजनाओं एवं पिछले एक वर्ष में अतिरिक्त अनुदान के रूप में 25.70 लाख रुपए जारी किए जाने के साथ, वर्तमान में संकाय सदस्यों द्वारा 20 वित्त पोषित शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले एक वर्ष के दौरान 3 नए पेटेंट दायर किए गए और 4 पेटेंट प्रकाशित हुए। विवि के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और 83 पुस्तकों में 195 शोध पत्र प्रकाशित किए। इसी कड़ी में सूक्ष्मजीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा विषय मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स ने 50 से अधिक विवि व खाद्य उद्योगों के 3617 शिक्षार्थियों के रिकॉर्ड नामांकन के साथ तीसरा चरण सफलता पूर्वक पूरा किया है। विवि में कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विवि की कोर्ट के सदस्यों के अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव डॉ. जे.पी भूकर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव, वित्त अधिकारी मनोरंजन त्रिपाठी, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन जुड़े।

562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए : हकेंवि के सातवें दीक्षांत समारोह में कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 107 तथा बीवॉक में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 14 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 08 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल हैं। इनमें से 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

डिग्री पाकर विद्यार्थी बोले- सफलता के लिए शिक्षकों का अहम योगदान

हकेंवि में उनकी इच्छाओं व आकांक्षाओं को पूर्ण करने का मार्ग हुआ प्रशस्त

भास्कर न्यूज। महेंद्रगढ़. *हकेंवी में स्वर्ण पदक व पीएचडी की डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों ने अपनी सफलता के लिए विवि कुलपति, शिक्षकों व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह वह संस्थान है जहां उनकी इच्छाओं व अकांक्षाओं को पूर्ण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।*

छात्रा दीक्षा।

स्वर्ण पदक पाने वाली छात्रा दीक्षा चरखी दादरी से संबंध रखती हैं। उन्होंने सफलता का श्रेय परिवारजनों व गुरुजनों को दिया। कहा कि विवि में मिली शिक्षा का ही नतीजा है कि हम आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

डॉ. अनिता राय।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की डॉ. अनिता राय ने पी.एचडी. की डिग्री प्राप्त करने के बाद कहा हकेंवि तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है और शोध व अनुसंधान के मोर्चे पर विवि गुणात्मक बढ़ोतरी कर रहा है।

दीक्षांत समारोह में अल्ताफ को डिग्री देते कुलपति।

जम्मू के अनंतनाग के अल्ताफ रसूल ने पी. एचडी की डिग्री प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रिय विश्विद्यालय में लंबा समय बिताया लेकिन कभी मुझे घर की कमी नहीं खली। अल्ताफ गुरुजनों के मार्ग पर चलते हुए युवा पीढ़ी को शिक्षित करने के इच्छुक हैं।

मितेश कुमार।

बी.टेक. के छात्र मितेश कुमार ने कहा आज मिली सफलता बीते चार सालों की मेहनत और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षकों से मिले ज्ञान का नतीजा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रा को उनकी रुचि के अनुसार ज्ञान दिया जाता है।

शुभम राघव।

बी.टेक. के छात्र शुभम राघव ने कहा वह महेंद्रगढ़ से संबंध रखते है और उनके पिता सेना में हैं। उन्होंने बी. टेक के प्रथम बैच में अध्ययन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है जोकि विश्वविद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों से ही प्राप्त हुआ है।

छात्रा सूर्यानी गुहा ने स्वर्ण पदक प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मिला माहौल उनकी सफलता का महत्त्वपूर्ण कारण है। उन्होंने कहा कि यूं तो सभी शिक्षकों ने सहयोग किया लेकिन जसवंत सर का मैं विशेष रूप से आभार व्यक्त करना चाहती हूं।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की छात्रा **प्रतीक्षा चौहान** ने एमएससी मैथेमेटिक्स में स्वर्ण पदक हासिल किया। उनका कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से शुरू हुआ उनका यह सफर अभी और आगे चलेगा और अब उनकी नजर अब पीएचडी की डिग्री पर है। जिसके लिए वह पूरी तरह से मेहनत करेंगे।

दीक्षांत समारोह में 757 मेधावियों को मिलीं उपाधियां

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ ने 27 फरवरी को अपना सातवां दीक्षांत समारोह मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्य अतिथि और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ऑनलाइन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में 757 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

संजय धोत्रे ने कहा कि आज का भारत उम्मीदों का भारत है। नए भारत के निर्माण में नीति, नीयत और नेतृत्व की भूमिका अहम है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। समूचा विश्व भारत के प्रति सम्मान रखता है और इसकी ओर उम्मीदभरी निगाहों से देख रहा है।

डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और शोधार्थियों से धोत्रे ने कहा कि आज का यह दिन आप सभी के लिए बेहद खास है। आप सभी ने इस दिन के लिए कड़ी मेहनत की है। साथ ही आपके माता-पिता ने भी इस स्थान पर देखने के लिए बहुत त्याग किया है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में देश को वैश्विक ज्ञान का सुपरपावर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। यह शिक्षा नीति मल्टी डिसिप्लनरी एप्रोच के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों व विद्यार्थियों की भूमिका की सराहना की।

हकेंविवि में छात्रा को उपाधि प्रदान करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

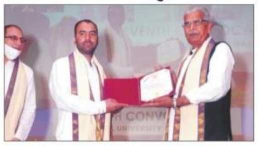

दीक्षांत समारोह में छात्र को उपाधि प्रदान करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हमने सामने आई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य और दृष्टिकोण को कमजोर नहीं होने दिया।

कुलपति ने कहा कि तीन नई शोध परियोजनाओं एवं पिछले एक वर्ष में अतिरिक्त अनुदान के रूप में 25.70 लाख रुपये जारी किए जाने के साथ वर्तमान में संकाय सदस्यों द्वारा 20 वित्त पोषित शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा पिछले एक वर्ष के दौरान 3 नए पेटेंट दायर किए गए। 4 पेटेंट प्रकाशित किए गए। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और 83 पुस्तकों या पुस्तक अध्यायों में 195 शोध पत्र प्रकाशित किए। इसी कड़ी में सूक्ष्मजीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा विषयक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स ने 50 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, संस्थानों व खाद्य उद्योगों के 3617 शिक्षार्थियों के रिकॉर्ड नामांकन के साथ तीसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस कोर्स का यूजीसी और सीईसी ने 10 अलग-अलग भारतीय भाषाओं में अनुवाद एवं इसके उप शीर्षक की शुरुआत की है। सफलतापूर्वक अनुवाद के बाद इसे 'स्वयं' प्लेटफार्म पर प्रस्तुत किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय में कार्यकारी परिषद के सदस्यों के अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव डॉ. जेपी भूकर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव, वित्त अधिकारी मनोरंजन त्रिपाठी व शोधार्थी ऑनलाइन और ऑफलाइन जुड़े रहे।

'हकेंवि का 7वां दीक्षांत समारोह आज'

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे होंगे मुख्यातिथि

महेंद्रगढ़, 26 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 7वां दीक्षांत समारोह कोरोना महामारी व सरकार के दिशा-निर्देशों के मद्देनजर 27 फरवरी को ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्यातिथि तथा हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल तथा भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि 7वें दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat,27 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

'विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों की सहभागिता अहमः प्रो. कुहाड़'

हकेंवि में ऑनलाइन एलुमनी मीट में पूर्व छात्रों को सम्बोधित करते प्रो. आर.सी. कुहाड़।

महेंद्रगढ़, 26 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 7वें दीक्षांत समारोह से पूर्व शुक्रवार को ऑनलाइन एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। जिसमें हकेंवि में अध्ययन कर चुके पूर्व छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग हैं और इसके विकास में उनकी सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है। वे जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हैं वहां रहकर विश्वविद्यालय की बेहतरी में अपना योगदान दे सकते हैं। फिर बात चाहे शैक्षणिक विकास हो, संसाधनों को विकसित करने की हो या फिर रोजगार व स्वरोजगार के अवसर सृजित करने की हो। विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस अवसर पर एलुमनी क्लब की ओर से तैयार विश्वविद्यालय के एलुमनी पोर्टल का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के एलुमनी क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने पूर्व छात्रों के साथ मिलकर संस्थान की प्रगति के लिए कार्य करने पर जोर दिया और कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में ऐसे अनेकों संस्थान हमारे समक्ष उपलब्ध हैं जो अपने पूर्व छात्रों के प्रयासों से सफलता व विकास के नए आयामों को प्राप्त कर रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर एलुमनी अनुदान कोष की परिकल्पना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में देश-दुनिया में हमारे विद्यार्थी ही हमारे असली ब्रांड एम्बैसेडर हैं। कार्यक्रम का आरम्भ कुलगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में 200 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में एलुमनी क्लब के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी
ई-पेपर
Sat,27 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
27 Feb 2021

हकेंवि का दीक्षांत समारोह आज

- केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह 27 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। कोरोना महामारी व सरकार के दिशा-निर्देशों के मद्देनजर यह दीक्षांत समारोह ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा है।

जिसमें केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्य अतिथि तथा हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल तथा महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ायेंगे। विश्वविद्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार सातवें दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जायेंगी।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय। फोटो : हरिभूमि

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि सातवें दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जायेंगी। डॉ. यादव के अनुसार इस बार 14 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, 08 को एमफिल और 735 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो सातवें दीक्षांत समारोह में 22 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे।

विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों की सहभागिता अहम : प्रो. आरसी कुहाड़

हकेंवि में आनलाइन आयोजित हुई एलुमनी मीट, पूर्व छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सातवें दीक्षांत समारोह से पूर्व शुक्रवार को आनलाइन एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इसमें हकेंवि में अध्ययन कर चुके पूर्व छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग हैं और इसके विकास में उनकी सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है।

वे जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हैं, वहां रहकर वे विश्वविद्यालय की बेहतरी में अपना योगदान दे सकते हैं। फिर बात चाहे शैक्षणिक विकास हो, संसाधनों को विकसित करने की हो या फिर रोजगार व स्वरोजगार के अवसर सृजित करने की हो। विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस अवसर पर एलुमनी क्लब की ओर से तैयार विश्वविद्यालय के एलुमनी पोर्टल का भी विमोचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने पूर्व छात्रों के साथ मिलकर संस्थान की प्रगति के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के विकास में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में ऐसे अनेकों संस्थान हमारे समक्ष उपलब्ध हैं, जो अपने पूर्व छात्रों के प्रयासों से सफलता व विकास के नये आयामों

हकेंवि में आनलाइन आयोजित हुई एलुमनी मीट में पूर्व छात्रों को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● सौजन्य हकेंवि

को प्राप्त कर रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर एलुमनी अनुदान कोष की परिकल्पना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में देश-दुनिया में हमारे विद्यार्थी ही हमारे असली ब्रांड एंबेसडर हैं।

कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा बीते एक साल में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी भी पूर्व छात्रों को दी। कार्यक्रम का आरंभ कुलगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव सांझा किए। इनमें मधुस्मिता, उमेश, निरूपमा श्रीवास्तव, श्रेयांशी सिन्हा, डा. मेहताब, डा. कृष्णा आर्य, डा. रेखा के नाम प्रमुख रहे। कार्यक्रम में 200 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में एलुमनी क्लब के संयोजक डा. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन के लिए एलुमनी क्लब के सदस्य डा. रंजन अनेजा, डा. हरीश कुमार, डा. सुमन व डा. सुदीप सहित सभी पूर्व छात्रों व कार्यक्रम में शामिल विश्वविद्यालय के शिक्षकों व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

इसमें केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्यातिथि तथा हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल तथा भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने बताया कि सातवें दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि इस बार दीक्षांत समारोह आनलाइन आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि सातवें दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी। डा. यादव के अनुसार इस बार 14 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, 08 को एमफिल और 735 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो सातवें दीक्षांत समारोह में 22 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल हैं। इसी तरह कुल 757 विद्यार्थियों में 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 107 तथा बीवाक में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान प्रदान की जाएगी।

हकेंवि का 7वां दीक्षांत समारोह आज

समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिलेंगी डिग्री

महेंद्रगढ़ केंद्रीय विश्वविद्यालय का विहंगम दृश्य।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि का 7वां दीक्षांत समारोह 27 फरवरी को आयोजित होने जा रहा है। कोरोना महामारी के मद्देनजर दीक्षांत समारोह ऑनलाइन होगा। जिसमें केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्य अतिथि तथा हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल तथा भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में रहेंगे। विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच. डी, एम. फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। डॉ. विपुल यादव ने बताया कि दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जायेंगी।

डॉ. यादव के अनुसार इस बार 14 शोधार्थियों को पीएच. डी की उपाधि, 8 को एम. फिल और 735 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दौरान 22 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल है। इसी तरह कुल 757 विद्यार्थियों में 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

धर्म . समाज . संस्था

आपकी खबरें :- समाज, धर्म, क्लब, एसोसिएशन व संगठन

हकेंवि में ऑनलाइन हुई एलुमिनाई मीट

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ के 7वें दीक्षांत समारोह से शुक्रवार को ऑनलाइन एलुमनी मीट का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे विवि का अभिन्न अंग हैं और इसके विकास में उनकी सहभागिता बेहद महत्त्वपूर्ण है। वे जिस भी क्षेत्र में कार्यरत है वहां रहकर वे विश्वविद्यालय की बेहतरी में अपना योगदान दे सकते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर एलुमनी क्लब की ओर से तैयार विवि के एलुमनी पोर्टल का भी विमोचन किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। इनमें मधुस्मिता, उमेश, निरूपमा श्रीवास्तव, श्रेयांशी सिन्हा, डॉ. मेहताब, डॉ. कृष्णा आर्य, डॉ. रेखा के नाम प्रमुख रहे। कार्यक्रम में 200 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में एलुमनी क्लब के संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और इस आयोजन के लिए एलुमनी क्लब के सदस्य डॉ. रंजन अनेजा, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. सुमन व डॉ. सुदीप सहित सभी पूर्व छात्रों व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

मंदिर में विश्वकर्मा जयंती पर हुआ हवन

महेंद्रगढ़ | विश्वकर्मा मंदिर में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। जयंती महोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता ठेकेदार बंशीधर ने की। पंडित उमा शंकर ने हवन करवाया। हवन के दौरान कर्मपाल व सुमन देवी नानकवास मुख्य यजमान रहे। हवन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इसके साथ ही जांगिड़ समाज के लोगों ने शॉपिंग काम्पलेक्स के सामने विश्वकर्मा चौक पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जांगिड़ समाज की कुरीतियों के बारे में विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुंडियाखेड़ा में पशु बांझपन निवारण शिविर

दौंगड़ा अहीर | राजकीय पशु चिकित्सालय मुंड़ियाखेड़ा में एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर लगा। शिविर में डॉ. बलजीत सिंह ने पशु पालकों को बांझपन के कारण, लक्षण व उपाय के बारे में बताया। साथ ही 75 पशुओं का निःशुल्क इलाज किया। पशुओं की जांच परख कर के हार्मोन पद्धति द्वारा पशुओं के बांझपन का इलाज किया गया। डॉ. अरुण जैन पशु चिकित्सक दौंगड़ा अहीर ने पशुपालकों को स्वच्छ दूध के बारे में बताते हुए थनैला रोग से बचाव के तरीके बताएं तथा बांझपन को दूर करने के लिए पोषक तत्वों के महत्व को भी बताया। शिविर में अजीत सिंह वीएलडीए, हरकेश पशु परिचय, यशपाल पशु मैत्री, सरजीत, सोमदत्त, रामनिवास शास्त्री, वीरेंद्र सौदागर, राजेश आदि उपस्थित रहे।

बैंकिंग विषय में स्वयंसेवकों को दी जानकारी

दौंगड़ा अहीर | राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौंगड़ा अहीर में आयोजित एनएसएस स्पेशल कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में राजेंद्र सिंह रिटायर्ड कला अध्यापक ने शिरकत की। उन्होंने छात्रों को जीवन में सदगुण अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के पश्चात जसवंत सिंह ने स्वयंसेवकों को बैंकिंग विषय पर प्रशिक्षण दिया तथा अजय सिंह यादव ने कंप्यूटर की जानकारी दी। स्वयंसेवकों द्वारा एनएसएस अधिकारी नीरज शर्मा के नेतृत्व में स्कूल की साफ सफाई का कार्य किया श्रमदान के समय विद्यालय के सभी अध्यापकों रमेश कुमार, विजयपाल सिंह, राजबाला, नरेंद्र कुमार, विजय पाल, कैलाश देवी सुनीता कुमारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य देवव्रत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हरियाणा गौरव विज्ञान स्पर्धा में जीता पुरस्कार

महेंद्रगढ़ | श्री ओमसांईराम इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को सम्मान समारोह हुआ, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा समिति रजि. टोहाना की तरफ से आयोजित ऑनलाइन हरियाणा गौरव पुरस्कार विज्ञान प्रतियोगिता के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। चेयरमैन रमेश सैनी ने बताया की इसमें विद्यालय के 60 बच्चों ने हिस्सा लिया था, जिसमें 5 बच्चों ने मेरिट प्राप्त कर प्रतिभा दिखाई, वहीं 6 बच्चों ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस मौके पर संस्थापक शेर सिंह सैनी, चेयरपर्सन निशा सैनी, प्राचार्या चित्रा शर्मा, उप प्राचार्या प्रियंका सोनी, बचपन हैड रुपाली अरोड़ा, विद्यालय पीआरओ अमरसिंह सोनी सहित समस्त स्टाफ एवं बच्चे भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में दीक्षांत समारोह आज, 757 विद्यार्थियों को मिलेंगी डिग्रियां

अमर उजाला ब्यूरो

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे होंगे मुख्य अतिथि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का सातवां दीक्षांत समारोह 27 फरवरी को आयोजित होगा। कोरोना महामारी में सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार दीक्षांत समारोह ऑनलाइन होगा, जिसमें केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे मुख्य अतिथि और प्रदेश के शिक्षामंत्री कंवर पाल, सांसद धर्मबीर सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे।

कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने बताया कि सातवें दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों, शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक, स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि 14 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, 8 को एमफिल और 735 विद्यार्थियों को स्नातक और परास्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी। 22 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक दिया जाएगा। दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 757 विद्यार्थियों, शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं हैं। स्नातक कार्यक्रम के तहत बीटेक के 107, बीकॉम के 55, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

पूर्व छात्र विवि के अभिन्न अंग : कुलपति

हकेंवि में ऑनलाइन आयोजित हुई एलुमनी मीट

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शुक्रवार को ऑनलाइन पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग हैं। विश्वविद्यालय के विकास में उनकी सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की बेहतरी में अपना योगदान दे सकते हैं।

कुलपति ने एलुमनी क्लब की ओर से तैयार विश्वविद्यालय के एलुमनी पोर्टल का भी विमोचन किया गया। कुलपति ने पूर्व छात्रों के साथ मिलकर संस्थान की प्रगति के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के विकास में भागीदार बनें। देश-दुनिया में ऐसे अनेक संस्थान हैं जो अपने पूर्व छात्रों के प्रयासों से सफलता व विकास के नए आयामों को प्राप्त कर रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर एलुमनी अनुदान कोष की परिकल्पना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में देश-दुनिया में हमारे विद्यार्थी ही हमारे असली ब्रांड एंबेसडर हैं।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने संबोधित किया। मधुस्मिता, उमेश, निरूपमा श्रीवास्तव, श्रेयांशी सिन्हा, डॉ. मेहताब, डॉ. कृष्णा आर्य, डॉ. रेखा ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में 200 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन के लिए एलुमनी क्लब के सदस्य डॉ. रंजन अनेजा, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. सुमन, डॉ. सुदीप सहित सभी पूर्व छात्रों, कार्यक्रम में शामिल विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक व कर्मचारियों को मिला सम्मान

महेन्द्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के स्थापना दिवस व वार्षिकोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इन कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप यह सम्मान प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित शिक्षकों में डॉ. गुजन गोयल, सह-आचार्य; डॉ. फूल सिंह, सह-आचार्य; डॉ. पायल चंदेल, सह-आचार्य; डॉ. रंजन अनेजा, सह-आचार्य; डॉ. अजय कुमार, सहायक आचार्य; शिक्षणेतर कर्मचारियों में अमित श्योराण, वरिष्ठ तकनीकी सहायक; प्रदीप जाखड, प्रवर श्रेणी लिपिक; सुशील कुमार गुप्ता, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट; हरदीप, चालक के नाम शामिल रहे। इसी के साथ विश्वविद्यालय में कार्यरत आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों में कृष्ण कुमार, कार्यालय परिचर; ईश्वर सिंह, सुरक्षा गार्ड; अनूप व उमेश, माली; नेत्रपाल, ज्योति व उमेश, हाउसकीपिंग को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक व कर्मचारियों को मिला सम्मान

नारनौल, राजेश राज गोयल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के स्थापना दिवस व वार्षिकोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इन कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप यह सम्मान प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित शिक्षकों में डॉ. गुजन गोयल, सह-आचार्य; डॉ. फूल सिंह, सह-आचार्य; डॉ. पायल चंदिल, सह-आचार्य; डॉ. रंजन अनेजा, सह-आचार्य; डॉ. अजय कुमार, सहायक आचार्य; शिक्षणेतर कर्मचारियों में अमित स्योराण, वरिष्ठ तकनीकी सहायक; प्रदीप जाखड, प्रवर श्रेणी लिपिक; सुशील कुमार गुप्ता, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट; हरदीप, चालक के नाम शामिल रहे। इसी के साथ विश्वविद्यालय में कार्यरत आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों में कृष्ण कुमार, कार्यालय परिचर; ईश्वर सिंह, सुरक्षा गार्ड; अनूप व उमेश, माली; नेत्रपाल, ज्योति व उमेश, हाउसकीपिंग को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक व कर्मचारियों को मिला सम्मान

नारनौल, राजेश राज गोयल।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के स्थापना दिवस व वार्षिकोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इन कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप यह सम्मान प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित शिक्षकों में डॉ. गुजन गोयल, सह-आचार्य; डॉ. फूल सिंह, सह-आचार्य; डॉ. पायल चंदिल, सह-आचार्य; डॉ. रंजन अनेजा, सह-आचार्य; डॉ. अजय कुमार, सहायक आचार्य; शिक्षणेतर कर्मचारियों में अमित स्योराण, वरिष्ठ तकनीकी सहायक; प्रदीप जाखड, प्रवर श्रेणी लिपिक; सुशील कुमार गुप्ता, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट; हरदीप, चालक के नाम शामिल रहे। इसी के साथ विश्वविद्यालय में कार्यरत आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों में कृष्ण कुमार, कार्यालय परिचर; ईश्वर सिंह, सुरक्षा गार्ड; अनूप व उमेश, माली; नेत्रपाल, ज्योति व उमेश, हाउसकीपिंग को भी उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

'स्पंदन' में स्टूडेंट्स ने ऑनलाइन व ऑफलाइन दी रंगारंग प्रस्तुतियां

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' का गुरुवार को रंगारंग आयोजन हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विवि की विकास यात्रा का ब्योरा प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से विवि ने बीते वर्षों में उपलब्धियों के नए आयामों को प्राप्त किया है।

कार्यक्रम में मुख्य तिथि के रूप में रोहतक से संसद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा, सिरसा से संसद सदस्य सुनीता दुग्गल जुड़े तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। इस दौरान प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि विवि ने इस वर्ष 12 नए शैक्षणिक कार्यक्रम सम्मिलित कर 8 अध्ययन पीठों के तहत 33 शैक्षणिक विभागों में 72 शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया है। विश्वविद्यालय के 90 विद्यार्थियों ने यूजीसी-सीएसआईआर की परीक्षा एक ही अवसर में सफलता प्राप्त की है। ऑनलाइन जुड़े संसद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा ने प्रो. आर. सी. कुहाड़ के नेतृत्व में विवि की प्रगति की प्रशंसा की। संसद सदस्य सुनीता दुग्गल ने विवि द्वारा की गई प्रगति पर कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ को उनकी नेतृत्व क्षमता के लिए बधाई दी। संसद सदस्य धर्मबीर सिंह ने कहा कि विवि सौ प्रतिशत रोजगार के लक्ष्य को प्राप्त कर पा रहा है, देश की प्रगति में विवि यूं ही सक्रिय योगदान देता रहेगा।

महेंद्रगढ़ विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक व कर्मचारियों को किया गया सम्मानित।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अवसर मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ व सरोज कुहाड़ तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता।

कार्यक्रम में 30 से अधिक प्रस्तुतियां : सांस्कृतिक कार्यक्रम में 30 से अधिक प्रस्तुतियां ऑनलाइन व ऑफलाइन स्टूडेंट्स ने दीं, जिनमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता धर्मेश कौशिक, इंद्रजीत, आकाशवाणी हिसार से जुड़े आजाद, रत्नावली पुरस्कार विजेता सन्नी, स्मृति, विकास कुमार और इशिता सहित विवि के शिक्षक डॉ. नितिन, डॉ. सविता, डॉ. रविदत्त शर्मा व शिक्षणेतर कर्मचारी शंकर भारद्वाज व पवन कुमार की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

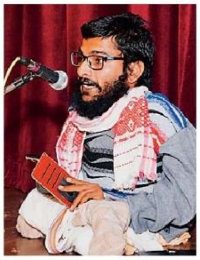

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में रंगारंग प्रस्तुतियां देते प्रतिभागी

उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक व कर्मचारियों को किया सम्मानित : हकेंवि के स्थापना दिवस पर विवि के शिक्षक, शिक्षणेतर व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इन कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप यह सम्मान प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित शिक्षकों में डॉ गुजन गोयल, डॉ फूल सिंह, डॉ पायल चंदेल, डॉ. रंजन अनेजा, डॉ. अजय कुमार, शिक्षणेतर कर्मचारियों में अमित श्योराण, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, प्रदीप जाखड़, प्रवर श्रेणी लिपिक सुशील कुमार, हरदीप शामिल रहे। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में कृष्ण, ईश्वर सिंह, अनूप व उमेश, नेत्रपाल, ज्योति व उमेश को सम्मानित किया गया।

कुलगीत, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान याद रखने वाले छात्र को 1 क्रेडिट स्कोर अतिरिक्त देगा हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन-2021 का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के बारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन-2021 का वीरवार को रंगारंग आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में रोहतक से सांसद डॉ. अरविंद शर्मा, सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल आभासी माध्यम से जुड़े। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद धर्मबीर सिंह यूनिवर्सिटी परिसर पहुंचे। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ की जीवनसंगिनी सरोज कुहाड़ की भी उपस्थिति रही। कुलपति आरसी कुहाड़ ने कहा कुलगीत, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान याद रखने वाले विद्यार्थी को एक क्रेडिट स्कोर अतिरिक्त दिया जाएगा।

कुलपति ने प्रस्तुत किया उपलब्धियों का ब्यौरा

अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय की प्रगति का ब्योरा देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय शोध, शिक्षण, संसाधनों एवं सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस वर्ष 12 नए शैक्षणिक कार्यक्रम शामिल करते हुए 8 अध्ययन पीठों के तहत 33 शैक्षणिक विभागों में 72 शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया है। बीते वर्ष विश्वविद्यालय के 90 विद्यार्थियों ने यू जी सी - सी ए स आ ई आ र (नेट/जेआरएफ) की परीक्षा पहले ही प्रयास में पास की। बीवॉक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत रोजगार मिल रहा है।

सांसद डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना की। उनके कार्यकाल में कौशल विकास, आत्मनिर्भर भारत और विद्यार्थियों के नैतिक विकास के कार्यों को बेहतरीन बताया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में भी विश्वविद्यालय के योगदान को उल्लेखनीय बताया।

मुख्य अतिथि सांसद सुनीता दुग्गल ने विश्वविद्यालय परिवार को स्थापना, वार्षिकोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों पर ही देश का भविष्य निर्भर करता है। लघु काल खंड में विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व को शानदार बताया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ तथा उनकी टीम के दृढ़ निश्चय का नतीजा है कि विश्वविद्यालय निरंतर सफलता के नए आयामों को प्राप्त कर रहा है। कोरोना के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में 30 से अधिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजित हुई।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती प्रतिभागी। संवाद

मुख्य अतिथि सांसद अरविंद शर्मा व सुनीता दुग्गल ऑनलाइन जुड़े

विशिष्ट अतिथि सांसद धर्मबीर सिंह परिसर पहुंच हुए शामिल

श्रेष्ठ कार्य करने वालों को अवॉर्ड देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते धर्मेश कौशिक। संवाद

सांसद धर्मबीर सिंह को स्मृति चिह्न देते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। संवाद

डॉ. गुंजन गोयल, पायल चंदेल, फूल सिंह, रंजन अनेजा और अजय कुमार को मिला सम्मान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस व वार्षिकोत्सव पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर , आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इन कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप यह सम्मान प्रदान किए। शिक्षकों में डॉ. गुंजन गोयल, सह-आचार्य डॉ. फूल सिंह, सह-आचार्य डॉ. पायल चंदेल, सह-आचार्य डॉ. रंजन अनेजा, सहायक आचार्य डॉ. अजय कुमार को सम्मानित किया गया। शिक्षणेतर कर्मचारियों में अमित श्योराण, प्रदीप जाखड़, सुशील कुमार गुप्ता, चालक हरदीप को सम्मानित किया गया। आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों में कृष्ण कुमार, ईश्वर सिंह, सुरक्षा गार्ड अनूप, उमेश, माली नेत्रपाल, ज्योति, उमेश को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इन सभी को प्रमाण पत्र के अलावा 5000 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने हिंदी, प्रो. संजीव कुमार ने अंग्रेजी में अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. रेनु यादव ने किया। आयोजन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका मलिक, डॉ. आनंद शर्मा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। ब्यूरो

कुलगीत व सरस्वती वंदना के साथ हुई शुरुआत

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता धर्मेश कौशिक, इंद्रजीत, आकाशवाणी हिसार से जुड़े आजाद, रत्नावली पुरस्कार विजेता सन्नी, स्मृति, विकास कुमार, इशिता, विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. नितिन, डॉ. सविता बुधवार, डॉ. रविदत्त शर्मा, शिक्षणेतर कर्मचारी शंकर भारद्वाज, पवन कुमार आदि की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व सरस्वती वंदना के साथ हुई। स्वस्तिवाचन वाचन डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य ने किया।

चिंतन को उत्कृष्ट बनाएं विद्यार्थी : प्रो. आर. सी. कुहाड़

नारनौल, राजेश राज गोयल 1 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में गुरूग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकण्डेय आहुजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक विशेष आमन्त्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। प्रो. कुहाड़ ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को चिंतन को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि उससे आपका व्यवहार उत्कृष्ट होगा जोकि आपके व्यक्तित्व को उत्कृष्ट बनाएगा और राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसी कड़ी में विशेष आमन्त्रित अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ने विद्यार्थियों को समय सीमा पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ शिक्षा पीठ में स्थापित भाषा प्रयोगशाला, गणित संसाधन केंद्र, कला और शिल्प संसाधन केंद्र तथा सामाजिक विज्ञान संसाधन केंद्र के उद्घाटन के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित दीक्षारम्भ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए युवाओं में विश्वास होना चाहिए और यही विश्वास आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुलपति ने इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा शक्ति आत्मनिर्भर एकेडमी की परिकल्पना प्रस्तुत की। उन्होंने शिक्षक को सूर्य के समान बताया और उसी की तरह शिष्य को भी सदैव प्रकाशमान रहने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि हमें ज्ञान के माध्यम से प्रकाश व अमृत की प्राप्ति के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए और ज्ञान बंधन मुक्त होना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रयास है। कुलपति ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को आने वाले जीवन की शुभकामनाएं दीं और विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों की मदद से सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए का कि जीत हौसले से होती है, सिर्फ हथियार से नहीं। इसलिए अपना हौसला सदैव ऊँचा रखें।

कार्यक्रम में विशेष आमन्त्रित अतिथि के रूप में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. मारकण्डेय आहुजा ने दीक्षारम्भ व दीक्षांत समारोह को विद्यार्थियों के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने गुरु-शिष्य परम्परा पर प्रकाश डाला और कहा कि शिक्षा जीवन पर्यन्त जारी रहती है। इसलिए हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। यह अनुशासन, कठोर परिश्रम के साथ कभी न खत्म होने वाली यात्रा है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वाध्याय, स्वअनुशासन, आत्मनिर्भरता, सुनने का महत्त्व और समय प्रबंधन के फायदे से अवगत कराया। प्रो. आहुजा ने विश्वविद्यालय कुलपति के प्रयासों की सराहना की। इसके पश्चात लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ने विश्वविद्यालय नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए बेहद कम समय में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रगति को सराहा। उन्होंने शिक्षक व शिष्य के बीच आस्था का सम्पर्क स्थापित करने पर जोर दिया और विद्यार्थियों को समय सीमा निर्धारित कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द का उल्लेख करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरन्तर प्रयासरत रहने की सीख दी। उन्होंने विद्यार्थियों को निरन्तर परिश्रम के लिए प्रेरित किया और देश-दुनिया में जारी क्रांतिकारी बदलावों से अवगत हो उनके सकारात्मक उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर उन्होंने भारत के उन प्रयासों का भी उल्लेख किया जिसके चलते कोरोना काल में देश समूचे विश्व के समक्ष एक पथ-प्रदर्शक के रूप में नजर आ रहा है। अंत में उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत के साथ बदलाव की दिशा तय कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के आरम्भ में विषय परिचय उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया और मंच का संचालन डॉ. मोनिका मलिक ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति व अतिथियों का परिचय स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने प्रस्तुत किया तथा प्रो. संजीव कुमार ने विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय दिया। विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 में पंजीकृत करीब 1500 विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारम्भ कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विश्वविद्यालय के शोध अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययन पीठों, विभागों व पाठ्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। शोध अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध अनुसंधान सुविधाओं तथा उनकी कार्यप्रणाली से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर ने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था से विद्याथियों को रूबरू करवाया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियत्रंक डॉ. विपुल यादव ने शिक्षा पद्धति से तथा वित्त अधिकारी मनोरंजन त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की शुल्क संरचना व छात्रवृत्ति का ब्यौरा प्रतिभागियो के समक्ष रखा। प्रोवोस्ट प्रो. सतीश कुमार ने छात्रावास सुविधाओं, उनके नियमों व मेडिकल सुविधाओं से तथा डॉ. संतोष सी.एच. ने विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली तथा सहायक कुलसचिव सुंदर लाल ने विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका मलिक तथा डॉ. आनन्द शर्मा ने किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी दीक्षार्थी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चिंतन को उत्कृष्ट बनाएं विद्यार्थीः प्रो.आरसी कुहाड़

प्रो. मारकण्डेय आहुजा और लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ने किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार दीक्षार्थी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गुड़गांव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकण्डेय आहुजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। प्रो. कुहाड़ ने विद्यार्थियों को चिंतन को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि उससे आपका व्यवहार उत्कृष्ट होगा जोकि आपके व्यक्तित्व को उत्कृष्ट बनाएगा। लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ने विद्यार्थियों को समय सीमा पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। दीक्षार्थी कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा पीठ में स्थापित भाषा प्रयोगशाला, गणित संसाधन केंद्र, कला और शिल्प संसाधन केंद्र तथा सामाजिक विज्ञान संसाधन केंद्र के उद्घाटन के साथ हुआ। कुलपति ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए युवाओं में विश्वास होना चाहिए और यही विश्वास आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

महेंद्रगढ़ में हकेंवि की शिक्षा पीठ में स्थापित विभिन्न केंद्रों का उद्घाटन करते लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक व कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़

प्रो. मारकण्डेय आहुजा ने दीक्षांत समारोह को विद्यार्थियों के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन पर्यन्त जारी रहती है। इसलिए हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। इसके पश्चात लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ने विश्वविद्यालय की प्रगति को सराहा। विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 में पंजीकृत 1500 विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षार्थी कार्यक्रम के दूसरे सत्र में शोध अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने विभिन्न अध्ययन पीठों, पाठ्यक्रमों का ब्योरा प्रस्तुत किया। शोध अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार ने अनुसंधान सुविधाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कुलसचिव डॉ. जे.पी. भूकर ने प्रशासनिक व्यवस्था से विद्याथियों को रुबरु करवाया।

परीक्षा नियत्रंक डॉ. विपुल यादव ने शिक्षा पद्धति तथा वित्त अधिकारी मनोरंजन त्रिपाठी ने शुल्क संरचना व छात्रवृत्ति का ब्योरा रखा। प्रो. राजेश कुमार मलिक ने कानूनी प्रावधानों से विद्याथियों को अवगत कराया। प्रो. सतीश कुमार ने छात्रावास सुविधाओं, उनके नियमों व मेडिकल सुविधाओं से तथा डॉ. संतोष सी. एच. ने पुस्तकालय प्रणाली तथा सहायक कुलसचिव सुंदर लाल ने विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

हकेंवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' कार्यक्रम आज

कुलपति करेंगे स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' का आयोजन किया जा रहा है। विवि के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ करेंगे, जबकि डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, संसद सदस्य, रोहतक, रमेश चंद्र कौशिक, संसद सदस्य सोनीपत; धर्मबीर सिंह, संसद सदस्य भिवानी-महेंद्रगढ़, सुनीता दुग्गल संसद सदस्य, सिरसा तथा बृजेंद्र सिंह, संसद सदस्य, हिसार कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 12वां स्थापना दिवस है। विवि की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के कार्यक्रम प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार आयोजित किया जाएगा। सभी प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन किया जाएगा। छात्र कल्याण कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने बताया स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों को प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

आयोजन — हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ में स्थापित भाषा प्रयोगशाला, गणित संसाधन केंद्र का उद्घाटन हुआ

उत्कृष्ट व्यवहार ही व्यक्तित्व को बनाएगा श्रेष्ठ

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बुधवार 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकंडेय आहूजा, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत के निदेशक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए।

अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों को चिंतन को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आपका उत्कृष्ट व्यवहार आपके व्यक्तित्व को श्रेष्ठ बनाएगा। यह राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। लेफ्टिनेंट

लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक ने किया मार्गदर्शन

केंद्रों का उद्घाटन करते लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक व कुलपति प्रो. आरसी कुहाड।--

कर्नल युवराज मलिक ने विद्यार्थियों को समय सीमा पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा पीठ में स्थापित भाषा प्रयोगशाला, गणित संसाधन केंद्र, कला और शिल्प संसाधन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संसाधन केंद्र के उद्घाटन के साथ हुआ। प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए युवाओं में विश्वास होना चाहिए। यही विश्वास आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुलपति ने राष्ट्रीय युवा शक्ति आत्मनिर्भर एकेडमी की परिकल्पना प्रस्तुत की। ज्ञान बंधन मुक्त होना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. मारकण्डेय आहूजा ने कहा कि शिक्षा जीवन पर्यंत जारी रहती है। इसलिए हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। यह अनुशासन, कठोर परिश्रम के साथ कभी न खत्म होने वाली यात्रा है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वाध्याय, स्वअनुशासन, आत्मनिर्भरता, सुनने का महत्व और समय प्रबंधन के फायदे से अवगत कराया। स्वामी विवेकानन्द का उल्लेख करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की सीख दी।

हकेंवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' कार्यक्रम 25 फरवरी को

- कुलपति करेंगे बारहवें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में गुरूवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के बारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ करेंगे जबकि डॉ. अरविंद कुमार शर्मा संसद सदस्य रोहतक, रमेश चंद्र कौशिक संसद सदस्य सोनीपत, चौधरी धर्मबीर सिंह संसद सदस्य भिवानी-महेंद्रगढ़, सुनीता दुग्गल संसद सदस्य सिरसा तथा बृजेंद्र सिंह संसद सदस्य हिसार कार्यक्रम के विशिष्ट

अतिथि होंगे। यहां बता दें कि यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का बारहवां स्थापना दिवस है। विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के कार्यक्रम प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित किया जाएगा जबकि कोरोना महामारी के कारण सभी प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी लाइट वोकल, वेस्टर्न वोकल, इंडियन व वेस्टर्न सोंग, लोकनृत्य एकल नृत्य, हिन्दी व अंग्रेजी कविता पाठ सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी दीक्षारम्भ कार्यक्रम आज

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में गुरूग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकण्डेय आहुजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज

मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विद्यार्थियों को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उत्कृष्ट शिक्षा एवं विद्यार्थियों को श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने बताया कि अभिप्रेरण व दीक्षारम्भ कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2020-21 में पंजीकृत हुए नये विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन को नयी राह दिखाना है जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के साथ-साथ विशेषज्ञ वक्ताओं के विचार सुनने को मिलेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पहली बार 13 भाषाओं में जेईई

नई दिल्ली : संयुक्त प्रवेश परीक्षा-मेंस (जेईई-मेंस) मंगलवार से शुरू हो गई। पहली बार इस परीक्षा का आयोजन नई शिक्षा नीति के तहत किया जा रहा है। इसके तहत इस बार छात्र हिंदी और अंग्रेजी के अलावा तेलुगु, तमिल, पंजाबी, उर्दू, उड़िया, मराठी, मलयालम, कन्नड़, बंगाली, असमी और गुजराती में भी परीक्षा दे रहे हैं। कंप्यूटर आधारित इन परीक्षाओं के लिए राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने देशभर में 852 परीक्षा केंद्र स्थापित किए हैं। पिछले साल सितंबर में हुई परीक्षाओं के लिए 660 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। इस बार इस परीक्षा में 6,61,761 अभ्यर्थी सम्मिलित हो रहे हैं। 26 फरवरी तक चलने वाली इन परीक्षाओं का आयोजन दो पालियों में किया जा रहा है। (आइएएनएस)

हकेंवि में तीन दिन दीक्षा आरंभ समारोह

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 25 और 27 फरवरी को विभिन्न कार्यक्रमों की व्यस्तता रहेगी। इसके लिए विवि प्रबंधन विभिन्न टीमों के माध्यम से आयोजन की तैयारियों में जुटा हुआ है। कार्यक्रम का आगाज दीक्षा आरंभ समारोह के साथ होगा। इसके बाद 25 फरवरी को स्पंदन तो 27 को दीक्षांत समारोह का आयोजन होगा।

24 फरवरी को दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही नए शैक्षणिक सत्र का विधिवत आगाज होगा। कोरोना काल के दौरान अभी तक आनलाइन कक्षाएं चल रही थीं। अब धीरे धीरे आफलाइन प्रक्रिया से कक्षाएं आरंभ होने की तैयारियां आरंभ हो चुकी हैं। नए शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों के लिए बुधवार को दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थी यूट्यूब और फेसबुक के माध्यम से कार्यक्रम के भागीदार होंगे। विवि के प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार से संबोधन किया जाएगा। कार्यक्रम में गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. मारकण्डेय आहुजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

वैसे तो विश्वविद्यालय परिसर में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं लेकिन कोरोना काल से उभरने के बाद इस प्रकार का यह महत्वपूर्ण आयोजन होगा। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के शुभअवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उपलब्धियां और आगामी वर्ष के लिए नवसंकल्प लेने का बेहतर अवसर है। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। - **प्रो. आरसी कुहाड़**, कुलपति।

सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन कल

हकेंवि महेंद्रगढ़ में 25 फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के बारहवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आरसी. कुहाड़ करेंगे जबकि रोहतक के सांसद डा. अरविंद कुमार शर्मा, सोनीपत के सांसद रमेश चंद्र कौशिक, भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौ.धर्मबीर सिंह, सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल तथा हिसार के सांसद बृजेंद्र सिंह कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का बारहवां स्थापना दिवस है। विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। कोरोना महामारी के कारण सभी प्रस्तुतियों का आयोजन आनलाइन माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका व डा. आनंद शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आनलाइन माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी लाइट वोकल, वेस्टर्न वोकल, इंडियन व वेस्टर्न सोंग, लोकनृत्य एकल नृत्य, हिंदी व अंग्रेजी कविता पाठ सहित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थी दीक्षारम्भ कार्यक्रम आज

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में गुड़गांव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकण्डेय आहुजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय उत्कृष्ट शिक्षा एवं विद्यार्थियों को श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता व उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने बताया कि अभिप्रेरण व दीक्षारम्भ कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2020-21 में पंजीकृत हुए नये विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन को नयी राह दिखाना है जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के साथ-साथ विशेषज्ञ वक्ताओं के विचार सुनने को मिलेंगे।

कार्यक्रम

हकेंवि के 12वें स्थापना दिवस पर 'स्पंदन-2021 में शिरकत करेंगे प्रदेश के 5 सांसद

हकेंवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' कल

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर 25 फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2021' का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ करेंगे। रोहतक से सांसद डॉ. अरविंद शर्मा, सोनीपत से सांसद रमेश चंद्र कौशिक, भिवानी-महेंद्रगढ़ से सांसद धर्मबीर सिंह, सिरसा सांसद से सुनीता दुग्गल, हिसार से सांसद बृजेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का वीरवार को 12वां स्थापना दिवस है। विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के कार्यक्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार आयोजित किया जाएगा। कोरोना महामारी के कारण सभी प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी लाइट वोकल, वेस्टर्न वोकल, इंडियन व वेस्टर्न सोंग, लोकनृत्य एकल नृत्य, हिंदी व अंग्रेजी कविता पाठ सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। *संवाद*

कुलपति करेंगे 12वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता

दीक्षारंभ कार्यक्रम आज

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकंडेय आहूजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अभिप्रेरण व दीक्षारंभ कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2020-21 में पंजीकृत हुए नये विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा।

CUH TO HOLD ONLINE CONVOCATION

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) will hold its seventh convocation online on February 27. A total of 757 students and scholars will be awarded degrees of various courses at the convocation. Among them, 14 scholars will get degree of PhD, eight students of MPhil, 573 of post-graduate and 107 students of UG courses, said Vice-Chancellor Prof RC Kuhad. He said that online convocation was being held in view of the Covid pandemic.

The Tribune Tue, 23 February 2021
https://epaper.tribunei

'हकेंवि में विद्यार्थी दीक्षारम्भ कार्यक्रम का होगा आयोजन'

महेंद्रगढ़, 22 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकण्डेय आहूजा व राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक व वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष लैफ्टिनैंट कर्नल युवराज मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विद्यार्थियों को नए सत्र की शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता व उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका व डा. आनन्द शर्मा ने बताया कि अभिप्रेरण व दीक्षारम्भ कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2020-21 में पंजीकृत हुए नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन को नई राह दिखाना है जिसके लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के साथ-साथ विशेषज्ञ वक्ताओं के विचार सुनने को मिलेंगे।

पंजाब केसरी ई-पेपर Tue,23 February 2021
Edition: rewari kesari,

24 को होगा दीक्षांत समारोह

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़। *संवाद*

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में 24 फरवरी को विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह आयोजित होगा। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मारकंडेय आहूजा, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल युवराज मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उत्कृष्ट शिक्षा एवं विद्यार्थियों को श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में यह विद्यार्थी प्रेरणा कार्यक्रम नए विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति नई ललक पैदा करेगा, जिससे भविष्य में उनका लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्वविद्यालय छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि अभिप्रेरण, दीक्षारंभ कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2020-21 में पंजीकृत हुए नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन को नयी राह दिखाना है जिसके लिए विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के साथ-साथ विशेषज्ञ वक्ताओं के विचार सुनने को मिलेंगे। (संवाद)

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस आयोजित

महेन्द्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विशववद्यिालय में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। यूनेस्को द्वारा 1999 में घोषित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम के अंतर्गत हकेवि में मातृभाषा में कविता पाठ व विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मातृभाषा के महत्व व मातृभाषा दिवस के आयोजन से संबंधित इतिहास से अवगत कराया और बताया कि कसि तरह से मातृभाषा हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास के साथ-साथ मानवीय पहचान को सुरक्षित करने में मददगार है। कुलपति ने इस अवसर पर सभी को मातृभाषा को रचनात्मकता, चिंतन और विकास के उच्च शिखर तक ले जाने का संकल्प दिलाया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफेसर कुमुद शर्मा उपस्थित रही और उन्होंने भारत में मातृभाषा का सवाल विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

'सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास में मददगार है मातृभाषा: प्रो. आर.सी. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 21 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। यूनेस्को द्वारा 1999 में घोषित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हकेंवि में मातृभाषा में कविता पाठ व विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मातृभाषा के महत्त्व व मातृभाषा दिवस के आयोजन से संबंधित इतिहास से अवगत कराया और बताया कि किस तरह से मातृभाषा हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास के साथ-साथ मानवीय पहचान को सुरक्षित करने में मददगार है।

प्रो. कुहाड़ ने इस अवसर पर सभी को मातृभाषा को रचनात्मकता, चिंतन और विकास के उच्च शिखर तक ले जाने का संकल्प दिलाया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफैसर कुमुद शर्मा उपस्थित रही और उन्होंने भारत में मातृभाषा का सवाल विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने मुख्यातिथि के रूप में अपने संबोधन में मातृभाषाओं के विकास एवं उनका अधिक से अधिक प्रयोग पर जोर दिया और कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी मातृभाषा विकास में सक्रिय योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि हमें चाहिए कि हम अपने ज्ञान को मातृभाषा में आमजन तक पहुंचाएं ताकि उसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को प्राप्त हो।

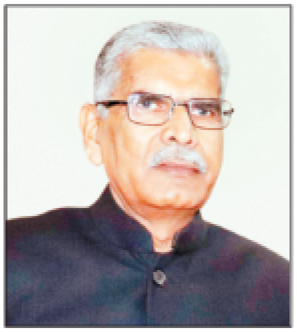

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

कुलपति ने बताया कि यह 21वां मातृभाषा दिवस है और यह हमें हमारी पहचान से जोड़ता है। मातृभाषा ही वह माध्यम है जिसके माध्यम से हम अपनी सभ्यता-संस्कृति को सुरक्षित रख सकते हैं यही वो माध्यम है जो हमें एक सूत्र में बांधकर रखती है। हिंदी के संदर्भ में बात करें तो यह वह भाषा है जो हर देशवासी के मन में राष्ट्रीयता की भावना को विकसित करती है। कुलपति ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों, विविधताओं वाला देश है जिसमें विभिन्न मातृभाषाएं प्रचलन में हैं और उनका हमें सम्मान करना चाहिए और उनके संरक्षण व विकास के मार्ग को प्रशस्त करना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि आज का दिन समूचे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर का कहना था कि यदि विज्ञान को जनसुलभ बनाना है तो उसकी शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए। इससे स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में मातृभाषा का कितना महत्वपूर्ण योगदान है। प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि मातृभाषा हमारे भावबोध, आत्मबोध का परिचायक है, इसे यदि हम अलग करेंगे तो हमारा अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डी. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने तो मातृभाषा में शिक्षा को ग्रहण को ही अपनी सफलता का कारक बताया है। उन्होंने अपनी मातृभाषा में स्कूली पढ़ाई की जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने विषयों को बारीकी से जाना समझा। प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि विश्व के अनेकों ऐसे देश है जिन्होंने अपने विकास की बुलंदियों को अपनी मातृभाषा के माध्यम से ही प्राप्त किया है ऐसे में भारत के संदर्भ हमें भी विस्तार से विचार करना होगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Mon,22 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

यूजीसी ने तैयार की दोहरी डिग्री देने की नियमावली

नयी दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसी)

भारतीय एवं विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान जल्द ही संयुक्त या दोहरी डिग्री दे सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इन शिक्षा कार्यक्रमों के नियमों से संबंधित मसौदे को अंतिम रूप दिया है। हालांकि, इस बारे में अंतिम निर्णय मसौदे को लेकर मिलने वाली प्रतिक्रिया के बाद लिया जाएगा।

यूजीसी (भारतीय एवं विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा संयुक्त डिग्री, दोहरी डिग्री, दोहरे पाठ्यक्रम के लिए शैक्षणिक गठजोड़) नियमावली-2021 मसौदे के मुताबिक, भारत के उच्च शिक्षण संस्थान दोहरी डिग्री प्रदान करने को लेकर समकक्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों के साथ समझौता कर सकेंगे। इसके मुताबिक, ये नियम ऑनलाइन, मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के शिक्षा कार्यक्रमों में लागू नहीं होंगे। प्रस्तावित नियमावली के मुताबिक, साझेदारी के तहत दी गई डिग्री या डिप्लोमा भारतीय उच्च संस्थानों द्वारा दी जाने वाली डिग्री एवं डिप्लोमा के समकक्ष होंगे और किसी प्राधिकरण द्वारा इसे समकक्ष घोषित करने की जरूरत नहीं होगी। इस साझेदारी में फ्रेंचाइजी खोलने की अनुमति नहीं होगी।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 22 February
https://epaper.c

देश के विकास में मददगार है मातृभाषा : प्रो. आरसी कुहाड़

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर हकेंवि में कार्यक्रम

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। यूनेस्को द्वारा 1999 में घोषित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम के अंतर्गत हकेंवि में मातृभाषा में कविता पाठ व विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मातृभाषा के महत्व व मातृभाषा दिवस के आयोजन से संबंधित इतिहास से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से मातृभाषा हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास के साथ-साथ मानवीय पहचान को सुरक्षित करने में मददगार है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर सभी को मातृभाषा को रचनात्मकता, चिंतन और विकास के उच्च शिखर तक ले जाने का संकल्प दिलाया।

विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफेसर कुमुद शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने भारत में मातृभाषा का सवाल विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आनलाइन आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में मातृभाषाओं के विकास एवं उनके अधिक से अधिक प्रयोग पर जोर दिया और कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी मातृभाषा विकास में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि हमें चाहिए कि हम अपने ज्ञान को मातृभाषा में आमजन तक पहुंचाएं, ताकि उसका

प्रो. आरसी कुहाड़ • जागरण

लाभ अधिक से अधिक लोगों को प्राप्त हो। कुलपति ने बताया कि यह 21वां मातृभाषा दिवस है और यह हमें हमारी पहचान से जोड़ता है।

मातृभाषा ही वह माध्यम है जिसके माध्यम से हम अपनी सभ्यता-संस्कृति को सुरक्षित रख सकते हैं। यही वो माध्यम है जो हमें एक सूत्र में बांधकर रखती है। हिंदी के संदर्भ में बात करें तो यह वह भाषा है जो हर देशवासी के मन में राष्ट्रीयता की भावना को विकसित करती है। कुलपति ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों, विविधताओं वाला देश है। इसमें बांग्ला,उड़िया, मराठी, पंजाबी, कश्मीरी, तमिल, तेलगु, कन्नड़ या फिर मैथिली प्रचलन में है। हमें इनका सम्मान करना चाहिए और उनके संरक्षण व विकास के मार्ग को प्रशस्त करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो.कुमुद शर्मा ने कहा कि आज का दिन समूचे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का कहना था कि यदि विज्ञान को जनसुलभ बनाना है तो उसकी शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए। इससे स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में मातृभाषा का कितना महत्वपूर्ण योगदान है। प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि मातृभाषा हमारे भावबोध, आत्मबोध का परिचायक है, इसे यदि हम अलग करेंगे तो हमारा अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने तो मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण को ही अपनी सफलता का कारक बताया है। कार्यक्रम में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणबीर सिंह ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी.कुहाड़ का परिचय प्रस्तुत किया। मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कविता पाठ में कुल 29 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने हिन्दी, मराठी, हरियाणवी व संस्कृत आदि भाषाओं में कविताएं प्रस्तुत करके श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विषय परिचय हिंदी विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के संयोजक डा. वीरेन्द्र सिंह ने प्रस्तुत किया।

हिंदी विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रोफेसर रणबीर सिंह, हिंदी विभाग के प्रभारी डा. अमित कुमार, सहायक आचार्य डा.सिद्धार्थ शंकर राय, डा. अरविंद तेजावत, डा. पंकज कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी व शोधार्थी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संचालन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी व सहायक आचार्य डा. आलेख एस नायक ने विशेष योगदान दिया।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित

सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास में मददगार है मातृभाषा : प्रो. आर.सी. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। यूनेस्को द्वारा 1999 में घोषित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हकेंवि में मातृभाषा में कविता पाठ व विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास में मददगार है मातृभाषा। कुहाड़ ने सभी को मातृभाषा को रचनात्मकता, चिंतन और विकास के उच्च शिखर तक ले जाने का संकल्प दिलाया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रो कुमुद शर्मा उपस्थित रही। ऑनलाइन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम मातृभाषा विकास में सक्रिय योगदान देंगे। कुलपति ने बताया कि कहा कि यह 21वां मातृभाषा दिवस है और यह हमें हमारी पहचान से जोड़ता है।

मातृभाषा ही वह माध्यम है। जिससे हम अपनी सभ्यता-संस्कृति को सुरक्षित रख सकते हैं। प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि रविंद्रनाथ टैगोर का कहना था कि यदि विज्ञान को जनसुलभ बनाना है तो उसकी शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए। इस अवसर पर आयोजित कविता पाठ में 29 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो रणबीर सिंह, हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. अमित कुमार, सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अरविंद तेजावत, डॉ. पंकज कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी व शोधार्थी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण व विषय परिचय हिंदी विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य ने प्रस्तुत किया।

व्याख्यान | अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर हकेंवि में कार्यक्रम आयोजित

सामाजिक, सांस्कृतिक और देश के विकास में मददगार है मातृभाषा

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति ने प्रतिभागियों को मातृभाषा से प्रेम व उसके प्रचार में योगदान का दिलाया संकल्प

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत हकेंवि में मातृभाषा में कविता पाठ और विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मातृभाषा के महत्व और मातृभाषा दिवस के आयोजन से संबंधित इतिहास से अवगत कराया और बताया कि किस तरह से मातृभाषा हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास के साथ-साथ मानवीय पहचान को सुरक्षित करने में मददगार है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर सभी को मातृभाषा को रचनात्मकता, चिंतन और विकास के उच्च शिखर तक ले जाने का संकल्प दिलाया।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रो. कुमुद शर्मा उपस्थित रही और उन्होंने भारत में मातृभाषा का सवाल विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने मुख्यातिथि के रूप में अपने संबोधन में मातृभाषाओं के विकास एवं उनका अधिक से अधिक प्रयोग पर जोर दिया और कहा कि हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी मातृभाषा विकास में सक्रिय योगदान देंगे। उकार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो.कुमुद शर्मा ने कहा कि आज का दिन समूचे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर का कहना था कि यदि विज्ञान को जनसुलभ बनाना है तो उसकी शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए।

कार्यक्रम में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और मातृभाषा के विकास में योगदान पर प्रकाश डाला। मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित कविता पाठ में कुल 29 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने हिन्दी, मराठी, हरियाणवी व संस्कृत आदि भाषाओं में कविताएं प्रस्तुत करके श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में विषय परिचय हिंदी विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रोफेसर रणबीर सिंह, हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. अमित कुमार, सहायक आचार्य डॉ.सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अरविंद तेजावत, डॉ. पंकज कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेतर, विद्यार्थी व शोधार्थी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण व विषय परिचय हिंदी विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफलतम संचालन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी व सहायक आचार्य डॉ. आलेख एस नायक ने विशेष योगदान दिया।

हकेंवि का 7वां दीक्षांत समारोह 27 फरवरी को

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 7वां दीक्षांत समारोह शनिवार 27 फरवरी को होगा। कोरोना महामारी की वजह से इस बार दीक्षांत समारोह ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ ने बताया इस दीक्षांत समारोह में 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

डॉ. यादव के अनुसार इस बार 14 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि, 8 को एम.फिल और 735 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री दी जाएगी। 22 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल है। इसी तरह कुल 757 विद्यार्थियों में 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 107 तथा बी.वॉक. में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

'हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने घोषित किए परीक्षा परिणाम'

महेंद्रगढ़, 18 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा तीसरे व 5वें समैस्टर के 3 फरवरी को संपन्न परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने गुरुवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमैंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के परिणाम नतीजे घोषित कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने शेष परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द घोषित करने के लिए आश्वस्त किया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि पिछली 5 जनवरी से प्रारम्भ हुई सत्र परीक्षाएं 3 फरवरी को सम्पन्न हुईं। जिसके पश्चात 5 फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri,19 February 2021
Edition: rewari kesari, Pag

हरिभूमि
रोहतक - मुख्य संस्करण
19 Feb 2021

हकेवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि जाट पाली द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की तीन फरवरी को संपन्न हुई। सेमेस्टर सत्रांत ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। विवि की परीक्षा शाखा ने गुरुवार को अंग्रेजी, हिंदी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एमकॉम, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के परिणाम नतीजे घोषित कर दिए हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

-तीन फरवरी को सम्पन्न हुई परीक्षाएं

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की तीन फरवरी को सम्पन्न हुई सेमेस्टर सत्रांत ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने गुरूवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम., मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के परिणाम नतीजे घोषित कर दियें हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़

को सम्पन्न हुई। जिसके पश्चात 5 फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। बी.वॉक.-रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट के पश्चात गुरूवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम., मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

नारनौल, राजेश राज गोयल। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की तीन फरवरी को सम्पन्न हुई सेमेस्टर सत्रांत ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने गुरूवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम., मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के परिणाम नतीजे घोषित कर दियें है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने शेष परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द घोषित करने के लिए आश्वस्त किया।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि पिछली 5 जनवरी, 2021 से प्रारम्भ हुई सत्र परीक्षाएँ 3 फरवरी, 2021 को सम्पन्न हुई। जिसके पश्चात 5 फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। बी.वॉक.-रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमेडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट के पश्चात गुरूवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम., मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए है। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द तैयार कर घोषित कर दिए जायेंगे। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

किशोर अवस्था में परिपक्व हुआ हरियाणा केंद्रीय विवि

27 को 755 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को मिलेंगी डिग्रियां

बलवान शर्मा • नारनौल

25 फरवरी को 12 साल का हो जाएगा केंद्रीय विश्वविद्यालय

25 से 28 फरवरी तक आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ • जागरण

जिले का एकमात्र सबसे बड़ा शैक्षणिक संस्थान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय 25 फरवरी को 12 साल का होने जा रहा है। बेशक 12 साल की उमर को किशोर अवस्था में माना जाता हो पर यह विश्वविद्यालय परिपक्व हो चुका है। इसी उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय प्रशासन 25 से 28 फरवरी तक लगातार विशेष आयोजन करने जा रहा है। इस विश्वविद्यालय से 21 विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग का बैच पासआउट होने जा रहा है, वहीं 12 छात्र पीएचडी कर लेंगे। आठ छात्र एमफिल और 735 विद्यार्थी स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल कर लेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने 25 व 26 फरवरी को स्थापना समारोह आयोजित करने का फैसला किया है। इस समारोह में हरियाणा के सभी दस सांसदों को आमंत्रित किया गया है। छह सांसदों ने तो समारोह में शामिल होने की सहमति भी दे दी है। 27 फरवरी को दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल, केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री संजय धोत्रे व हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर मुख्य रूप से शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने दैनिक जागरण को बताया कि दीक्षांत समारोह में शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि इस बार दीक्षांत समारोह आनलाइन आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि सातवें दीक्षांत समारोह में एक फरवरी, 2020 से 31 जनवरी 2021 तक उत्तीर्ण कुल 755 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इस बार 12 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, आठ को एमफिल और 735 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। समारोह में 21 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। कुल 755 विद्यार्थियों में 439 छात्र और 316 छात्राएं शामिल हैं। इनमें 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 107 तथा बी.वाक में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

स्नातकोत्तर के 11 विषयों का परीक्षा परिणाम घोषित

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की तीन फरवरी को संपन्न हुई आनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने बृहस्पतिवार को अंग्रेजी, हिंदी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एमकाम, मास्टर आफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलाजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के परिणाम नतीजे घोषित कर दिए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने शेष परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द घोषित करने के लिए आश्वस्त किया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि पिछली पांच जनवरी से प्रारंभ हुई सत्र परीक्षाएं तीन फरवरी को संपन्न हुई थीं। इसके पश्चात पांच फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की आनलाइन परीक्षाएं तीन फरवरी को हुई थीं संपन्न

बी.वाक-रिटेल एंड लाजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर आफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट विषय के परिणाम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। बृहस्पतिवार को अंग्रेजी, हिंदी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एमकाम, मास्टर आफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलाजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द तैयार कर घोषित कर दिए जाएंगे। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

हरियाणा विश्वविद्यालय

तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम जारी

नई दिल्ली। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षा के परिणाम वीरवार को जारी कर दिए। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि अन्य परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द घोषित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि 5 जनवरी से शुरू सत्र परीक्षाएं 3 फरवरी को समाप्त हुई है। फिलहाल बीवॉक.- रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायो मेडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट के पश्चात बृहस्पतिवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र, एम.कॉम, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। ब्यूरो

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने तीसरे व 5वें सेमेस्टर के घोषित किए परीक्षा परिणाम

तीन फरवरी को सम्पन्न हुई थी परीक्षाएं

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे व 5वें सेमेस्टर की 3 फरवरी को सम्पन्न हुई ऑनलाइन परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। विवि की परीक्षा शाखा ने गुरूवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम. कॉम., मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी।

विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि 5 जनवरी से शुरू हुई परीक्षाएं 3 फरवरी को सम्पन्न हुईं। जिसके पश्चात 5 फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। बी. वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमेडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट के पश्चात गुरुवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम., मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

सभी स्तरों पर नया कौशल सीखना जरूरी : निशंक

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि अब कुशल शिक्षा पर जोर देना होगा। यह 'सीखने, सिखाने और फिर से सीखने' में मदद करती है। नए कौशल सभी स्तरों पर हासिल किए जाने चाहिए, चाहे वे छात्र हों, प्राध्यापक हों या प्रशासक हों। महत्वाकांक्षी होना चाहिए पर विनम्रता के साथ समर्पण और एकाग्रता नहीं भूल सकते। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने यह बात एनआईटी श्रीनगर के वर्चुअल आयोजित छठे दीक्षांत समारोह में कही।

उन्होंने कहा, ''आज हमारे सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिन्हें एक समान नहीं सुलझाया जा सकता। इसलिए हमें अपनी-अपनी भूमिका समझनी होगी। हमारे अंदर ऐसा जुनून होना चाहिए जो हमें अपनी आगे की उपलब्धियों के लिए आत्मसंतुष्ट न होने दें। हम अपनी ख्याति और प्रशंसा के साथ चुप नहीं बैठ सकते जबकि हमें आगे आने वाली चुनौतियों को पूरा करने के लिए तैयार रहना चाहिए, जो हमें प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय देता है।

शिक्षा मंत्री ने एनआईटी श्रीनगर के वर्चुअल दीक्षांत समारोह में छात्रों को डिग्री प्रदान कीं

निशंक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने हमेशा से मानव जाति के आध्यात्मिक विज्ञान और तकनीकी विकास में योगदान दिया है। कोरोना संकट के दौरान छात्रों द्वारा दिखाए गए धैर्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कोरोना के कारण काफी प्रतिकूल दौर रहा है, लेकिन आप सबने अपने संकल्प, मेहनत, और दृढ़ संकल्प का धैर्य नहीं छोड़ा। इसलिए आप सब पूरे सम्मान के साथ अपने स्नातक स्तर की पढ़ाई का जश्न मनाने के हकदार हैं।

कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, एनआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष व निदेशक प्रो राकेश सहगल, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एवं सीनेट के सदस्य, संस्थान के पूर्व निदेशक एवं प्रधानाचार्य, डीन, विभागाध्यक्ष, छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे।

तीसरे, पांचवें सेमेस्टर की 10 परीक्षाओं के परिणाम जारी

माई सिटी रिपोर्टर

हकेंवि : 3 को संपन्न हुई परीक्षाएं, विवि की वेबसाइट पर देखें परिणाम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की ओर से आयोजित तीसरे, पांचवें सेमेस्टर की 3 फरवरी को संपन्न हुई ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) 10 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने वीरवार को अंग्रेजी, हिंदी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एमकॉम, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के परिणाम नतीजे घोषित कर दिए हैं। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने शेष परीक्षाओं के परिणाम भी जल्द घोषित करने के लिए आश्वस्त किया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि पिछली पांच जनवरी से प्रारंभ हुई सत्र परीक्षाएं तीन फरवरी को संपन्न हुई। जिसके पश्चात पांच फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। बी वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट और बायोमेडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट के पश्चात वीरवार को अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एमकॉम, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द तैयार कर घोषित कर दिए जाएंगे। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

'खुले सत्र में शोधार्थियों ने की हकेंवि के पाठ्यक्रम की सराहना'

महेंद्रगढ़, 17 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की ओर से अनिवार्य रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पसंद आ रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से शंकाओं के निवारण के लिए सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें शोधार्थियों ने विशेषज्ञों से अपनी विभिन्न समस्याओं व शंकाओं का हल प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को जानने के बाद संतोष व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही यह पाठ्यक्रम न सिर्फ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय बल्कि देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के सफलतम आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी और साथ ही साथ इस पाठ्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों की भी सराहना की।

विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक व पुस्ताकालय अध्यक्ष डा. संतोष सी.एच. ने विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा पसंद किया जा रहा है। वाणिज्य विभाग के प्रतिभागी मोहित ने इस पाठ्यक्रम की खूबियों पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से यह पाठ्यक्रम उनके व उनके साथियों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इसी तरह राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र रवि शंकर राज ने भी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शामिल हुए विशेषज्ञों, शिक्षकों की सराहना की और उनकी उपलब्धता के लिए केंद्रीय पुस्तकालय व आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu,18 February 2021
Edition: rewari kesari,

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़
18 Feb 2021

शोधार्थियों ने की हकेंविवि के पाठ्यक्रम की सराहना

महेंद्रगढ़। हकेंविवि जांट-पाली। फोटोः हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

■ पाठ्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञ बधाई के पात्र : कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विवि अनुदान आयोग यूजीसी की ओर से अनिवार्य रिसर्च एंड पब्लिकेशन ऐथिक्स पाठ्यक्रम छात्रों को पसंद आ रहा है। विवि की ओर से इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से शंकाओं के निवारण के लिए सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें शोधार्थियों ने विशेषज्ञों से अपनी विभिन्न समस्याओं व शंकाओं का हल प्राप्त किया। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को जानने के बाद संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पाठ्यक्रम न सिर्फ हरियाणा केंद्रीय विवि, बल्कि

पाठ्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों की भी सराहना की। विवि में इस पाठ्यक्रम के समंवयक व पुस्ताकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा पसंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वाणिज्य विभाग के प्रतिभागी मोहित ने इस पाठ्यक्रम की खूबियों पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से यह पाठ्यक्रम उनके व उनके साथियों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इसी तरह राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र रवि शंकर राज ने भी

शोधार्थियों ने की पाठ्यक्रम की सराहना

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से अनिवार्य रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पसंद आ रहा है। बुधवार को हकेंवि में इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से शंकाओं के निवारण के लिए सत्र का आयोजन किया गया। इसमें शोधार्थियों ने विशेषज्ञों से अपनी विभिन्न समस्याओं व शंकाओं का हल प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया लेने के बाद संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पाठ्यक्रम न सिर्फ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, बल्कि देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के सफलतम आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी व इस पाठ्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों की भी सराहना की।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक व पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा पसंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वाणिज्य विभाग के प्रतिभागी मोहित ने इस पाठ्यक्रम की खूबियों पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से यह पाठ्यक्रम उनके व उनके साथियों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इसी तरह राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र रविशंकर राज ने भी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शामिल हुए विशेषज्ञों, शिक्षकों की सराहना की और उनकी उपलब्धता के लिए केंद्रीय पुस्तकालय व आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

दैनिक भास्कर
महेंद्रगढ़ भास्कर 18-02-2021

हकेंवि के पाठ्यक्रम की सराहना

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से अनिवार्य रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पसंद आ रहा है। विवि की ओर से इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से शंकाओं के निवारण हेतु सत्र का आयोजन किया। जिसमें शोधार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न समस्याओं व शंकाओं का हल प्राप्त किया। कुलपति प्रो. आर. सी कुहाड़ ने कहा कि यह पाठ्यक्रम न सिर्फ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय बल्कि देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। कुलपति ने पाठ्यक्रम के सफलतम आयोजन पर आयोजकों को बधाई दी। विवि में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक व पुस्ताकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा पसंद किया जा रहा है।

'छात्रों को गो विज्ञान पर परीक्षा के प्रति जागरूक करें'

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के सभी विश्वविद्यालयों को छात्रों को गो विज्ञान पर ऑनलाइन परीक्षा के बारे में जागरूक करना होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कहा है कि वे गो विज्ञान पर 25 फरवरी को आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन परीक्षा में छात्रों को स्वेच्छा से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।

यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति को लिखा पत्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से कुलपतियों को पत्र लिखा गया है। इसमें लिखा है कि कामधेनु गो विज्ञान प्रचार-प्रसार परीक्षा 25 फरवरी को आयोजित होगी, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को परीक्षा में स्वेच्छा से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। यह परीक्षा हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी के अलावा गुजराती, पंजाबी, मराठी, कन्नड़, मलयालम, तमिल, मराठी, तेलुगू और उड़िया भाषा में आयोजित होगी। परीक्षा में गाय से जुड़े वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्राइमरी, मिडिल और सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं और कॉलेजों के छात्र इस परीक्षा में भाग ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें पंजीकरण शुल्क नहीं देना होगा। कोई भी छात्र या आम जनता इस परीक्षा में शामिल हो सकती है। इससे पहले राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने पांच जनवरी को अधिसूचना जारी की थी।

खुले सत्र में शोधार्थियों की शंकाओं का किया समाधान

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से अनिवार्य रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम के अंतर्गत शंकाओं के निवारण के लिए सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें शोधार्थियों ने विशेषज्ञों से अपनी समस्याओं और शंकाओं का समाधान पाया।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को जानने के बाद संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पाठ्यक्रम न सिर्फ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय बल्कि देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। कुलपति ने इस पाठ्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। साथ ही साथ इस पाठ्यक्रम से जुड़ें विशेषज्ञों की भी सराहना की। विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम के समन्वयक, पुस्ताकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा पसंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वाणिज्य विभाग के प्रतिभागी मोहित ने इस पाठ्यक्रम की खूबियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किस तरह से यह पाठ्यक्रम उनके और उनके साथियों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इसी तरह राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र रवि शंकर राज ने भी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत शामिल हुए विशेषज्ञों और शिक्षकों का आभार जताया।

'रोजगार लेने नहीं देने पर रखें फोकस'

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि पढ़ाई का मकसद सिर्फ रोजगार

हासिल करना नहीं, बल्कि देने वाला होना चा हि ए । ग्लोबल वार्मिंग के कारण हमें भवनों के ऐसे डिजाइन बनाने पर काम करना होगा, जहां प्रदूषण की कमी हो और बिजली की कम से कम जरूरत पड़े। इसके अलावा अपने शहरों की दिक्कतों को दूर करने में भी मदद करनी होगी। वे मंगलवार को दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के 38वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 300 से अधिक छात्रों को डिग्री प्रदान की। ब्यूरो

गो-विज्ञान पर 25 फरवरी को होगी परीक्षा

कामधेनु आयोग कराएगा परीक्षा का आयोजन, तैयारियों के लिए हुआ वेबिनार

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय कामधेनु आयोग 25 फरवरी को गो- विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय परीक्षा का आयोजन कराएगा। जिसकी तैयारियों को लेकर वेदामृता संस्था व आर्य समाज संगठन ने ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। जिसमें मुख्य वक्ता कामधेनु आयोग के चेयरमैन डॉ. वल्लभ भाई मुख्य अतिथि रहे। हकेंवि के डॉ. अजय पाल मुख्य वक्ता रहे।

चेयरमैन डॉ. वल्लभ भाई ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कामधेनु चेयर की स्थापना की मंजूरी प्रदान करने पर कुलपति आरसी कुहाड़ को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश में गाय के विज्ञान को जन-जन तक प्रचारित करने में कामधेनु पीठ प्रमुख भूमिका निभाएगी।

हकेंवि के डॉ. अजय पाल को सौंपा प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का जिम्मा

हरियाणा के सभी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को इस परीक्षा में प्रतिभागी बनने की जिम्मेवारी ओएसडी डॉक्टर अजय पाल को सौंपी।डॉ. अजय पाल ने बताया की विश्वविद्यालय के शोधार्थी नीरज आर्य आईआईटी दिल्ली के भौतिक व रसायन विभाग के साथ मिलकर गाय व पंचगव्य पर शोध कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। पंचगव्य का एंटी-रेडिएशन विश्लेषण जानने के लिए नीरज आर्य ने कई सैंपल को आईआईटी दिल्ली में प्रषित किए हैं।

हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को कामधेनु चेयर बनाने पर दी बधाई

वेदामृता संस्था के निदेशक शुभम बरवाला ने कहा कि संस्था पिछले 3 वर्ष से गायों के विज्ञान को लेकर परीक्षाओं का आयोजन करा रही है। इस बार 25 फरवरी को होने वाली परीक्षा में भी अधिकतम विद्यार्थियों की भागीदारी को सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष विनय आर्य, वेदामृता के प्रबंधक सुनील क्रांतिकारी, दीपक दुर्जनपुरिया, सुरेंद्र, कमल फौगाट, वर्षा, प्रदीप, दिनेश सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

'राष्ट्र जागृति के पुरोधा थे स्वामी दयानंद सरस्वतीः आर.सी. कुहाड़'

महेंद्रगढ़ (परमजीत/मोहन): भारतीय संस्कृति के उन्नायक, राष्ट्र जागृति के पुरोधा, समाज-सुधारक, गुरु की गरिमा के परिचायक स्वामी दयानन्द सरस्वती के योगदान को जितना याद किया जाए उतना कम है। स्वामी जी ने भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाई और आज की पीढ़ी को उनके पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने स्वामी दयानन्द सरस्वती की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय में स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ द्वारा स्वामी जी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति पुरातन है और हमें हजारों सालों के इतिहास और उससे जुड़े महापुरुषों से सीख लेते हुए देश, समाज व मानव जाति के कल्याण हेतु कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्वामी दयानन्द के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अमर सिंह, डा. पायल चंदेल, डा. विनोद कुमार, डा. रणवीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेतर कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी जी की जयंती के अवसर पर हवन में आहुति डालते विश्वविद्यालय के कुलपति आर.सी. कुहाड़ व अन्य।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat,13 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

स्वामी दयानन्द सरस्वती जयंती पर किया गया हवन,कुलपति ने स्वामी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

हरियाणा ज्योति/महेंद्रगढ़, प्रमोद बेवल । भारतीय संस्कृति के उन्नायक, राष्ट्र जागृति के पुरोधा, समाज-सुधारक, गुरु की गरिमा के परिचायक स्वामी दयानन्द सरस्वती के योगदान को जितना याद किया जाए उतना कम है। स्वामी जी ने भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाई और आज की पीढ़ी को उनके पदचिह्नों पर चलने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने स्वामी दयानन्द सरस्वती की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

13 Feb 2021

आज की पीढ़ी को उनके पदचिह्नों पर चलने की जरूरत

स्वामी दयानंद ने संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में एक नई राह दिखाई

हकेवि में स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में किया हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारतीय संस्कृति के उन्नायक व राष्ट्र जागृति के पुरोधा स्वामी दयानंद सरस्वती के योगदान को जितना याद किया जाए उतना कम है। स्वामी ने भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाई और आज की पीढ़ी को उनके पदचिह्नों पर चलने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने स्वामी दयानन्द सरस्वती की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के द्वारा स्वामी जी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुहाड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति पुरातन है और हमें हजारों सालों के इतिहास और उससे जुड़े महापुरुषों से सीख लेते हुए देश, समाज व मानव जाति के कल्याण हेतु कार्य करना चाहिए। कुलपति ने विद्यार्थियों को स्वामी जी जीवन से प्रेरणा लेकर समाज, देश व जनमानस की बेहतरी के लिए सर्व समर्पण के भाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्वामी दयानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विश्वविद्यालय के स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने स्वामी के जीवन आदर्शों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और जनहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अमर सिंह, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. रणवीर सिंह, डॉ. अजय पाल, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य, डॉ रवि कुमार व कु. मनीषा भाटी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेतर कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। विवि में हवन यज्ञ करते स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

कनीना। विद्यार्थियों को सम्मानित करते विद्यालय के निदेशक जगदेव यादव।

एसडी स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में शुक्रवार को स्वामी दयानंद जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय के निदेशक जगदेव सिंह यादव ने स्वामी दयानंद के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उसके बाद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता चार चरणों में आयोजित की गई। जिसमें सभी सदनों ने अपना बेहतर परिणाम दिखाया। श्रेष्ठ परिणाम में टैगोर सदन से भानूप्रिया, नेहा, महक व प्रवेश की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर शिवाजी व रमन सदन की टीम रही। इसमें शिवाजी व रमन सदन के प्रतिभागी दीपिका, अंशुका, नितिन, पूनम, पायल, मुस्कान व रोहित थे।

बच्चों को स्वामी जी के जीवन से जुड़ी बातें बताई

नारनौल। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का 196वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत हवन से की गई। हवन की समाप्ति पर स्कूल शिक्षिका सीमा ने बच्चों को स्वामी जी के जीवन से जुड़ी कई बातों से अवगत कराया। इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वामी जी के जीवन से संबंधित कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें दयानंद जी के विषय से संबंधित भाषण, गायन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि शामिल थी। कार्यक्रम की समाप्ति पर स्कूल प्रधानाचार्या मंजू मल्होत्रा ने बच्चों को बताया कि दयानंद जी समाज सुधारक, पाखंड विरोधी, प्रखर राष्ट्रवादी व युग निर्माता थे।

राष्ट्र जागृति के पुरोधा थे स्वामी दयानन्द सरस्वती : प्रो. कुहाड़

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : भारतीय संस्कृति के उन्नायक, राष्ट्र जागृति के पुरोधा, समाज-सुधारक, गुरु की गरिमा के परिचायक स्वामी दयानंद सरस्वती के योगदान को जितना याद किया जाए उतना कम है। स्वामी जी ने भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाई और आज की पीढ़ी को उनके पदचिह्नों पर चलने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के द्वारा स्वामी जी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति पुरातन है और हमें हजारों सालों के इतिहास और उससे जुड़े महापुरुषों से सीख लेते हुए देश, समाज व मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। कुलपति ने विद्यार्थियों को स्वामी दयानंद के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज, देश व जनमानस की बेहतरी के लिए सर्व-समर्पण के भाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विवि के कुलपति ने स्वामी दयानन्द के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विवि के स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने स्वामी जी के जीवन आदर्शों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और जनहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अमर सिंह, डा. पायल चंदेल, डा. विनोद कुमार, डा. रणवीर सिंह, डा. अजय पाल, डा. सुरेंद्र कुमार, डा. कुमुद प्रसाद, डा. रवि, कु.मनीषा सहित शिक्षक, अधिकारी मौजूद थे।

स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती के अवसर पर आयोजित हवन में आहुति देते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● सौजन्य से हकेंवि

यूजीसी-नेट परीक्षा में किसी छूट का प्रस्ताव नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) की अर्हताओं में छूट देने के किसी भी प्रस्ताव से इंकार किया। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने कहा, 'आयोग ने सूचित किया है कि फिलहाल उसके पास यूजीसी-नेट परीक्षा में छूट दिए जाने की कोई योजना नहीं है।' यूजीसी-नेट परीक्षा सहायक प्राध्यापक और जूनियर रिसर्च फेलोशिप की योग्यता निर्धारित करने व जांचने के लिए आयोजित की जाती है।

दैनिक ट्रिब्यून

शिक्षक-छात्र सीखेंगे नैतिक शिक्षा

इग्नू : नई शिक्षा नीति के तहत जनवरी सत्र से वेल्यू एजुकेशन पर जोर

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अब शिक्षक, अभिभावक, छात्र और कामकाजी युवा नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ेंगे। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) जनवरी सत्र 2021 से वेल्यू एजुकेशन पर डिप्लोमा (डीपीवीई) कोर्स शुरू करने जा रहा है। इस कोर्स में शिक्षक, अभिभावक, छात्र और प्रोफेशनल यानी कामकाजी युवाओं को नैतिक शिक्षा से रूबरू करवाया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, नैतिक शिक्षा की जानकारी जीवन में बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि स्कूली पढ़ाई में ऐसे विषयों पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है। प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को इसकी जानकारी होना जरूरी है। इस कोर्स के माध्यम से शिक्षकों को भी जोड़ा जाना है, ताकि वे आगे छात्रों को नैतिक शिक्षा की जानकारी दे सकें। इसमें एनजीओ को भी जोड़ा जाएगा, ताकि समाज में नैतिक शिक्षा पर जागरूक कर सकें। कोर्स संबंधी अधिक जानकारी के लिए ignouadmission.samarth.edu.in पर लॉगइन कर सकते हैं।

प्रोफेशनल युवाओं को नैतिक शिक्षा से रुबरु कराया जाएगा

एक साल का कोर्स अंग्रेजी माध्यम से होगा

एक साल के कोर्स की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से होगी। हालांकि इसे तीन साल में पूरा कर सकेंगे। इसमें दाखिले के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। यह कोर्स शैक्षणिक सत्र जनवरी और जुलाई सत्र में चलेगा। इस कोर्स की फीस 4 हजार रुपये रखी गई है। इसमें ओवरव्यू एंड पर्सपेक्टिव ऑफ वेल्यू विषय, सोशो-साइकलोजिकल, पेडागॉजी ऑफ वेल्यू, एप्लीकेशन स्पोर्ट स्किल एंड एक्टिविटी विषय चार-चार क्रेडिट और लाइफ स्किल एजुकेशन व ह्यूमन राइट आठ-आठ क्रेडिट का होगा।

वर्चुअल होगा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2021 वर्चुअल आयोजित होगा। नई शिक्षा नीति-2020 की थीम पर आधारित मेला 6 से 9 मार्च तक लगेगा। इससे पहले 12 से 15 फरवरी तक आयोजित करने की तैयारी थी। हालांकि वर्चुअल मेले में तकनीकी तैयारियों के चलते थोड़ा बदलाव किया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीनस्थ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (नेशनल बुक ट्रस्ट) के पोर्टल पर दर्शकों को पहले पंजीकरण करवाना होगा। इसके आधार पर सुबह 11 से रात 8 बजे तक मेले से घर बैठे जुड़ सकेंगे।

नई शिक्षा नीति-2020 की थीम पर आधारित मेला 6 से 9 मार्च तक चलेगा

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, कोरोना संकट के कारण राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2021 वर्चुअल आयोजित करने का फैसला लिया है। इसमें सबसे पहले राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसमें थीम पवेलियन, बच्चों का कॉर्नर से लेकर सेमिनार से लेकर विमोचन भी चलता रहेगा। पंजीकरण के साथ ही दर्शकों को थीम से लेकर विभिन्न पवेलियन की जानकारी मिलेगी। इसमें दर्शक जहां जाना चाहता होगा, उसके बारे में स्क्रीन पर जानकारी उपलब्ध होगी। ब्यूरो

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

10 Feb 2021

जागरुक किया

हकेंविवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका अहम होती हैं : प्रो. कुहाड़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए कड़ी मेहनत की जरुरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारतीय शिक्षण मंडल, नीति आयोग एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल मुख्यतिथि तथा भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। जबकि आयोजन की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषयक इस वेबिनार में अपने वीडियो संबोधन में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठनमंत्री मुकुल कानितकर ने कहा कि केवल उपदेश से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू नहीं किया जा सकता। उसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति में वह सारे गुण विद्यमान हैं, जिससे भारत विश्वगुरु बन सकता है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. डा. कुहाड़ ने कहा कि यह नीति केवल ज्ञान केंद्रित शिक्षार्थी तैयार करने के लिए ही नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों पर केंद्रित शिक्षार्थी के लिए भी परिकल्पित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी भूमिका शिक्षकों की है। शिक्षा मंत्रालय ने जो नीति माननीय केंद्रीय शिक्षामंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के नेतृत्व और प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में लोगों तक पहुंचाई है।

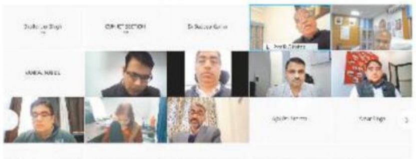

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय वेबिनार में अध्यक्षीय उद्बोधन देते कुलपति प्रो . आरसी कुहाड़।

नई शिक्षा नीति में सभी गुण विद्यमान: मुख्यतिथि चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के उपकुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में वे सभी गुण विद्यमान हैं, जिनको लेकर आज का युवा भारत को आर्थिक मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा की वेबीनार, सेमिनार, वर्कशॉप और प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के बारे में शिक्षित और प्रशिक्षित करने की जरूरत है। प्रथम सत्र के बाद द्वितीय सत्र को 6 समानांतर सत्रों में विभाजित करके विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर उनके विचार और सुझाव विभिन्न विषयों पर रखने का अवसर दिया गया। प्रो. संजीव कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका अहम- प्रो. आर.सी. कुहाड़

-हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

-कुलपति बोले जन-जन की नीति बने राष्ट्रीय शिक्षा नीति

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़

भारतीय शिक्षण मंडल, नीति आयोग एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन मंगलवार 9 फरवरी 2021 को किया गया। वेबिनार में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के उपकुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल मुख्य अतिथि तथा भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि आयोजन की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियावन्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषयक इस वेबिनार में अपने वीडियों सम्बोधन में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि केवल उपदेश से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू नहीं किया जा सकता उसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति में वह सारे गुण विद्यमान है जिससे भारत विश्व गुरु बन सकता है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर (डॉ.) रमेश चंद्र कुहाड़ कुलपति हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कहा कि यह नीति केवल ज्ञान-केंद्रित शिक्षार्थी तैयार करने के लिए ही नहीं बल्कि मानवीय मूल्यों पर केंद्रित शिक्षार्थी के लिए भी परिकल्पित है। नीति निर्माताओं द्वारा शिक्षण और सीखने के मानवीय पहलू को प्राप्त करने पर यह अभूतपूर्व जोर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का था। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कार्यान्वित करने के लिए अगस्त महीने में ही एक कार्यबल का गठन किया। हमारे विश्वविद्यालय के आचार्यों की मेहनत और लगन के द्वारा प्रोफेसर संजीव कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कैसे लागू किया जाए इसके लिए एक दस्तावेज तैयार कर लिया गया है, वह जल्दी ही, आप सबके लिए उपलब्ध होगा।

प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी भूमिका शिक्षकों की है। शिक्षा मंत्रालय ने जो नीति माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के नेतृत्व में और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम लोगों तक पहुंचायी है। उस नीति को विद्यार्थियों, शोधार्थियों तक पहुंचाने का कार्य शिक्षकों का ही है। शिक्षक अपने ज्ञान और आचरण के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्राप्त कराने में, राष्ट्र को शैक्षणिक क्षेत्र में भी अग्रगण्य बनाने में अवश्य ही अपना योगदान देंगे। ऐसी हमारी आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है। हम सभी के प्रयास से यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 जन-जन की नीति बने।

इससे पूर्व राष्ट्रीय वेबीनार में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी पंकज नाफड़े ने कहा शिक्षा नीति से भारत आत्मनिर्भर बनेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं पर बहुत जोर दिया गया है, जिससे भारत की विविधता अक्षुण बनी रहेगी। मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित प्रोफेसर राजकुमार मित्तल उपकुलपति चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी ने कहा कि इस नई शिक्षा नीति में वे सभी गुण विद्यमान है जिन को लेकर आज का युवा भारत को आर्थिक मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा की वेबीनार, सेमिनार वर्कशॉप, और प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के बारे में शिक्षित और प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

प्रथम सत्र के बाद द्वितीय सत्र को 6 समानांतर सत्रों में विभाजित करके विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर उनके विचार और सुझाव विभिन्न विषयों पर रखने का अवसर दिया गया। समापन समारोह में प्रोफेसर संजीव कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे और दूसरे वक्ताओं ने भी शिक्षा नीति को कैसे लागू किया जाए इस पर अपने सुझाव दिये। इस वेबिनार में पूरे देश से करीब 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वेबीनार को सफल बनाने में भारतीय शिक्षण मंडल, महेंद्रगढ़ इकाई के पदाधिकारियों और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्यों ने विशेष सहयोग किया। सहायक आचार्य डॉ. सुदीप कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा सहायक आचार्य डॉ. अनूप यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रेषित किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका अहम : प्रो. कुहाड़

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के **कार्यान्वयन** में शिक्षकों की भूमिका विषय पर वेबिनार

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : भारतीय शिक्षण मंडल, नीति आयोग एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल मुख्य अतिथि तथा भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की।भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि केवल उपदेश से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू नहीं किया जा सकता। इसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति में वह सारे गुण विद्यमान हैं, जिनसे भारत विश्व गुरु बन सकता है। प्रोफेसर (डा.) रमेश चंद्र कुहाड़ ने कहा कि यह नीति केवल ज्ञान-केंद्रित शिक्षार्थी तैयार करने के लिए ही नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों पर केंद्रित शिक्षार्थी के लिए भी परिकल्पित है। नीति निर्माताओं द्वारा शिक्षण और सीखने के मानवीय पहलू को प्राप्त करने पर यह अभूतपूर्व जोर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का था। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कार्यान्वित करने के लिए अगस्त महीने में ही एक कार्यबल का गठन किया। विश्वविद्यालय के आचार्यों की मेहनत और लगन के द्वारा प्रोफेसर संजीव कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कैसे लागू किया जाए। इसके लिए एक दस्तावेज तैयार कर लिया गया है, वह जल्दी ही, आप सबके लिए उपलब्ध होगा।

प्रो. आरसी कुहाड़ • जागरण

प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी भूमिका शिक्षकों की है। शिक्षा मंत्रालय की नीति को विद्यार्थियों, शोधार्थियों तक पहुंचाने का कार्य शिक्षकों का ही है। भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी पंकज नाफड़े ने कहा शिक्षा नीति से भारत आत्मनिर्भर बनेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं पर बहुत जोर दिया गया है। प्रोफेसर राजकुमार मित्तल ने कहा कि इस नई शिक्षा नीति में वे सभी गुण विद्यमान हैं, जिनको लेकर आज का युवा भारत को आर्थिक मोर्चे पर अग्रिम पंक्ति पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा की वेबिनार, सेमिनार वर्कशॉप, और प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के बारे में शिक्षित और प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

समापन समारोह में प्रोफेसर संजीव कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे और दूसरे वक्ताओं ने भी शिक्षा नीति को कैसे लागू किया जाए इस पर अपने सुझाव दिये। इस वेबिनार में पूरे देश से करीब 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सहायक आचार्य डा. सुदीप कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा सहायक आचार्य डा. अनूप यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रेषित किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका अहमः प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़। चेतना संवाददाता।

भारतीय शिक्षण मंडल, नीति आयोग एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन मंगलवार 9 फरवरी 2021 को किया गया। वेबिनार में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के उपकुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल मुख्य अतिथि तथा भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी श्री पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जबकि आयोजन की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियावन्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषयक इस वेबिनार में अपने वीडियों सम्बोधन में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि केवल उपदेश से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू नहीं किया जा सकता उसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति में वह सारे गुण विद्यमान है जिससे भारत विश्व गुरु बन सकता है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर (डॉ.) रमेश चंद्र कुहाड़ कुलपति हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कहा कि यह नीति केवल ज्ञान-केंद्रित शिक्षार्थी तैयार करने के लिए ही नहीं बल्कि मानवीय मूल्यों पर केंद्रित शिक्षार्थी के लिए भी परिकल्पित है। नीति निर्माताओं द्वारा शिक्षण और सीखने के मानवीय पहलू को प्राप्त करने पर यह अभूतपूर्व जोर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदृष्टि का था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका अहम : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

भारतीय शिक्षण मंडल, नीति आयोग एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार में चौधरी बंसीलाल विवि, भिवानी के उपकुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल मुख्यातिथि तथा भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख और उत्तर क्षेत्र के पालक अधिकारी पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की।

मुकुल कानिटकर ने कहा केवल उपदेश से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू नहीं किया जा सकता उसके लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। प्रोफेसर डॉ. रमेश चंद्र कुहाड़ ने कहा कि यह नीति केवल ज्ञान-केंद्रित शिक्षार्थी तैयार करने के लिए ही नहीं बल्कि मानवीय मूल्यों पर केंद्रित शिक्षार्थी के लिए भी परिकल्पित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को कार्यान्वित करने को अगस्त में कार्यबल का गठन किया। आचार्यों की मेहनत और लगन से प्रोफेसर संजीव कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कैसे लागू किया जाए। प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने कहा केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के नेतृत्व में और पीएम के मार्गदर्शन में हम लोगों तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति पहुंचाई है। उस नीति को विद्यार्थियों, शोधार्थियों तक पहुंचाने का कार्य शिक्षकों का ही है। इससे पूर्व वेबीनार में पंकज नाफड़े ने कहा शिक्षा नीति से भारत आत्मनिर्भर बनेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं पर बहुत जोर दिया गया है।

परीक्षा तैयारी के लिए कैंपस खोलने को मंजूरी

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए दिशा-निर्देश दोबारा किए जारी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए कैंपस खोलने को मंजूरी दे दी है। कंटेनमेंट जोन से बाहर वाले इलाकों के संस्थानों को राज्य सरकार के कोविड-19 संक्रमण के तहत जारी दिशा-निर्देशों के तहत कैंपस खोलने होंगे।

विश्वविद्यालयों को फाइनल ईयर परीक्षा की तैयारियां भी शुरू करनी होंगी।

यूजीसी के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा गया है। इसमें लॉकडाउन के बाद दोबारा कैंपस खोलने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके हत अब विश्वविद्यालय या कॉलेज छात्रों के लिए क्लासरूम भी खोल सकते हैं। विश्वविद्यालयों को कैंपस खोलने की अनुमति तो मिल गई है पर छात्रों की सुरक्षा और कोविड-19 संक्रमण से बचाव प्राथमिकता होगा। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य व केंद्रीय गृहमंत्रालय के कैंपस खोलने से पहले उन दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

ऑनलाइन पढ़ाई का मिलता रहेगा विकल्प

यदि कोई छात्र कोरोना के कारण कैंपस आकर पढ़ाई नहीं करना चाहता तो उसे ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प मिलता रहेगा। संस्थान किसी भी छात्र को कैंपस आकर पढ़ाई के लिए बाध्य नहीं कर सकता है। ऐसे छात्रों के लिए संस्थानों को अलग से योजना तैयार करनी होगी।

बाहरी छात्रों के कैंपस आने पर रोक

कैंपस खोलने की बेशक अनुमति दे दी गई है लेकिन बाहरी छात्रों के आने पर पूरी तरह रोक रहेगी। मुख्य गेट से पहचान पत्र जांचने के बाद ही छात्रों को अंदर आने दिया जाएगा। शिक्षकों और छात्रों को अपने पहचान पत्र गले में लटकाकर रखने होंगे।

विश्वविद्यालय क्लास और परीक्षा पर खुद करे फैसला

आयोग ने कैंपस पूरी तरह से खोलने, फिजिकल कक्षाएं शुरू करने से लेकर परीक्षा तक के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेजों को अपना फैसला करने की आजादी दी है। उच्च शिक्षण संस्थान अपने इलाके के कारोना हालात के आधार पर ऑनलाइन टीचिंग और परीक्षा पर अपने हिसाब से नियम बना सकते हैं।

अंतिम वर्ष के छात्र क्लास व प्लेसमेंट सत्र में लेंगे भाग

विभिन्न डिग्री प्रोग्राम के अंतिम वर्ष के छात्रों को फिजिक्ल (पहले की तरह क्लासरूम में पढ़ाई) क्लास में आने से लेकर प्लेसमेंट सत्र में भाग लेने की अनुमति दी गई है। कॉलेजों को इसकी तैयारी शुरू करनी होगी। इसके अलावा पीजी प्रोग्राम और शोध छात्रों के लिए लैब व लाइब्रेरी के प्रयोग की अनुमति होगी। हालांकि इसका आखिरी फैसला कुलपति और प्रिंसिपल करेंगे।

वन विभाग हरियाणा

कार्यालय वन मण्डल अधिकारी, क्षेत्रीय मण्डल, भिवानी

वन संविदाकारों के पंजीकरण हेतु विज्ञापन

वन विभाग, हरियाणा की भिवानी मण्डल में विभिन्न वानिकी कार्य करवाने हेतु पंजीकरण/नवीनिकरण पत्र आमन्त्रित किए जाते हैं। आवेदन पत्र वन मण्डल अधिकारी, भिवानी के कार्यालय में अथवा वन विभाग की वेबसाईट www.haryanaforest.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। यह पंजीकरण 31-3-2022 तक मान्य होगा। पंजीकरण/नवीनिकरण विभाग से निर्धारित शुल्क देकर करवाया जा सकता है।

पंजीकरण/नवीनिकरण से सम्बन्धित शर्तें वन विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध है। पंजीकरण/नवीनिकरण हेतु आवेदन पत्र कार्यालय वन मण्डल अधिकारी, महम रोड, भिवानी में दिनांक 25-02-2021 को सायं 5 बजे तक प्राप्त हो जाने चाहिए।

वन मण्डल अधिकारी,

शिक्षक दो संस्थानों में नहीं कर सकते काम

नई दिल्ली। शिक्षक एक से अधिक संस्थानों में सेवाएं नहीं दे सकते हैं। यदि कोई उच्च शिक्षण संस्थान ऐसा करता पाया जाता है तो उसकी मान्यता रद्द करने से लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। एआईसीटीई ने राज्यों और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को नियमों का उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

एआईसीटीई ने राज्यों और तकनीकी शिक्षण संस्थानों को लिखा पत्र

निर्देशों के उल्लंघन पर मान्यता रद्द कर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की ओर से सभी राज्य सरकारों, तकनीकी विश्वविद्यालयों, राज्यपालों को इस संबंध में पत्र लिखा गया है। एआईसीटीई का मानना है कि तकनीकी उच्च शिक्षण संस्थान पैसा बचाने के मकसद से शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता कर रहे हैं।

एआईसीटीई को जानकारी मिली है कि एक संस्थान एक शिक्षक से अपने दो से अधिक कैंपस में सेवाएं ले रहे हैं। जबकि एक शिक्षक सिर्फ एक कैंपस में सेवाएं दे सकता है। यदि कोई संस्थान ऐसा करता पाया जाता है तो यह नियमों का उल्लंघन होगा। संस्थान पर कार्रवाई होगी। एआईसीटीई ने छात्रों और शिक्षकों से ऐसी जानकारी मिलने पर परिषद को लिखित शिकायत भेजने का आग्रह किया है। इसके अलावा अब एआईसीटीई भी तकनीकी संस्थानों में औचक निरीक्षण करेगा। ब्यूरो

शोधार्थियों के बीच लोकप्रिय हो रहा है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़ ,एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया)
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर करवाए जा रहे दो-क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम शिक्षण संस्थानों व शोधार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा नैतिक शोध पर आधारित इन पाठ्यक्रमों में अन्य कई केंद्रीय व राज्यस्तरीय शिक्षण संस्थाओं ने भी रूचि दिखाई है वह इस पाठ्यक्रम को अपनी-अपनी संस्था में उपलब्ध कराने के इच्छुक हैं।

प्रो. कुहाड़ ने बताया कि यह पाठ्यक्रम अनुसंधान व शोध कार्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विश्वविद्यालय अनुसंधान के

क्षेत्र में उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है और इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय नैतिक शोध पर आधारित मूक कोर्स विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं, साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अन्य सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों के साथ संयुक्त रूप से यह पाठ्यक्रम प्रसारित व साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारा यह प्रयास उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच संसाधनों को साझा करने के अपने प्रयासों की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा। विदित है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. के समन्वयन में अन्य शिक्षकों की सहायता से उपलब्ध करवाया जा रहा है। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों का बेहद उल्लेखनीय रूझान देखने को मिल रहा है
और कई विश्वविद्यालयों ने इन पाठ्यक्रमों को उपयोगी बताया है जिससे स्पष्ट है कि हम अपने उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में
अग्रसर है। डॉ. संतोष ने कहा कि अब हम अपने कुलपति माननीय प्रो. आर.सी. कुहाड़ के सुझाव व मार्गदर्शन में इससे संबंधित मूक कोर्स भी तैयार करने जा रहे हैं जोकि अवश्य ही शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

अब खुलेंगे देशभर में बंद पड़े विवि और कालेज

- यूजीसी ने दी हरी झंडी, कब से खोलना है, इसका फैसला राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन की सहमति से होगा
- पूर्व में जारी गाइडलाइन के मुताबिक जरूरी तैयारी के दिए निर्देश, आफलाइन क्लास में छात्रों को एक सीट छोड़कर बैठाने की दी सलाह

निर्देश : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जरूरी सुरक्षा इंतजाम करने को भी कहा। फाइल फोटो

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के घटते प्रभाव को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर में बंद पड़े विश्वविद्यालयों और कालेजों को जरूरी सुरक्षा इंतजामों के साथ फिर खोलने के लिए कहा है। हालांकि इन्हें कब से खोलना है, इसका फैसला उन्हें राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन की सहमति के आधार पर करने को कहा है। यूजीसी ने फिलहाल इस संबंध में विवि और कालेजों को पूरी स्वतंत्रता दी है। साथ ही संस्थानों को खोलने के लिए पूर्व में जारी गाइडलाइन पर अमल सुनिश्चित करने को भी कहा है।

यूजीसी ने यह कदम बंद पड़े विश्वविद्यालयों और दूसरे उच्च शिक्षण संस्थानों को खोलने की छात्रों की मांगों को देखते हुए लिया है। हालांकि इसे लेकर यूजीसी पूरी तरह से सतर्क भी है क्योंकि अभी भी महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में कोरोना संक्रमण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहां हर दिन हजारों की संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में यूजीसी बिल्कुल भी जल्दबाजी में नहीं है और न ही संस्थानों पर इन्हें खोलने के लिए कोई दबाव ही बनाया है। संस्थानों को अपनी सुविधा और तैयारियों के आधार पर छात्रों को बुलाने से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार दिया है। वहीं, यूजीसी की संस्थानों को खोलने से जुड़ी गाइडलाइन में इस बात पर जोर दिया गया है कि आफलाइन कक्षाएं जब शुरू हों तो छात्रों को एक सीट छोड़कर बैठाया जाएगा। साथ ही मास्क पहनने और बार-बार हाथ साफ करने को अनिवार्य बनाया जाए।

विश्वविद्यालयों और कालेजों को खोलने को लेकर यूजीसी ने यह कदम इसलिए भी उठाया है क्योंकि ज्यादातर राज्यों में स्कूल खुल गए हैं। हालांकि उनमें अभी सिर्फ नौवीं से बारहवीं तक के बच्चों को बुलाया जा रहा है। बावजूद इसके सभी छात्र अभी स्कूल नहीं आ रहे हैं क्योंकि स्कूल आने को अभी अनिवार्य नहीं किया गया है। साथ ही अभिभावकों की अनुमति भी जरूरी की गई है। मालूम हो कि स्कूलों के साथ ही देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों को भी कोरोना की दस्तक के साथ ही पिछले साल मार्च में बंद कर दिया गया था जो अभी भी बंद हैं।

67 फीसद अभिभावक अप्रैल से स्कूल खोलने के पक्ष में पेज>>7

लोकप्रिय है हकेंवि का रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स केंद्रित पाठ्यक्रम

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर करवाए जा रहे दो-क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम शिक्षण संस्थानों व शोधार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा नैतिक शोध पर आधारित इन पाठ्यक्रमों में अन्य कई केंद्रीय व राज्यस्तरीय शिक्षण संस्थाओं ने भी रुचि दिखाई है वह इस पाठ्यक्रम को अपनी-अपनी संस्था में उपलब्ध कराने के इच्छुक हैं। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि यह पाठ्यक्रम अनुसंधान व शोध कार्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विश्वविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है और इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय नैतिक शोध पर आधारित मूक कोर्स विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं। साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अन्य सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों के साथ संयुक्त रूप से यह पाठ्यक्रम प्रसारित व साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारा यह प्रयास उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच संसाधनों को साझा करने के अपने प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। विदित है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. संतोष सीएच के समन्वयन में अन्य शिक्षकों की सहायता से उपलब्ध करवाया जा रहा है। डा. संतोष ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों का बेहद उल्लेखनीय रूझान देखने को मिल रहा है और कई विश्वविद्यालयों ने इन पाठ्यक्रमों को उपयोगी बताया है।

प्रो. आरसी कुहाड़
● जागरण

प्रदेश के सभी निजी व सरकारी संस्थानों में दाखिले की तिथि 15 फरवरी तक बढ़ाई : शर्मा

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार ने प्रदेश के सभी निजी व सरकारी संस्थानों में दाखिले की तिथि को 15 फरवरी तक बढ़ा दिया है । कोविड-19 एवं विभिन्न प्रदेशों की प्राइवेट आईटीआई एसोसिएशन की रिक्वेस्ट पर डीजीटी भारत सरकार ने डेट बढ़ाई है । माना जा रहा है कि प्रदेश में प्राइवेट एवं निजी आईटीआई में 20 से 30 प्रतिशत सीटें रिक्त हैं । देशभर के संस्थानों के आग्रह के बाद कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार ने आईटीआई में दाखिला लेने के लिए एक और अवसर दिया है । दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होंगे । एमडीएस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक गोपाल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि हमारे संस्थान में चार ट्रेड चल रहे हैं । इलैक्ट्रिशियन व्यवसाय के 80, फिटर व्यवसाय के 20, वैल्डर व्यवसाय के 40 व पलंबर के 48 दाखिले होने हैं । सभी ट्रेड एनसीवीटी कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार से मान्यता प्राप्त हैं । उपरोक्त सभी ट्रेड्स में दाखिले विभाग के तहत शेड्यूल मापदंड अनुसार किया जाएगा । हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित फीस में ही दाखिले होते हैं । यदि कोई विद्यार्थी दसवीं आधारित 2 साल का आईटीआई कोर्स करता है तो उसके बाद एक भाषा विषय में हिंदी या अंग्रेजी में एग्जाम देकर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से बारहवीं का सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकता है । उन्होंने बताया कि यदि कोई विद्यार्थी आठवीं आधारित कोर्स में दाखिला लेता है तो आठवीं बेस आईटीआई का एक साल का कोर्स करने के बाद एक साल की अप्रेंटिस करनी आवश्यक होती है । उसके बाद उसे दसवीं के समकक्ष माना जाता है जो हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से दसवीं का सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकता है ।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त रूप से यह पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए तैयार है हकेवि

महेंद्रगढ़। चेतना संवाददाता।

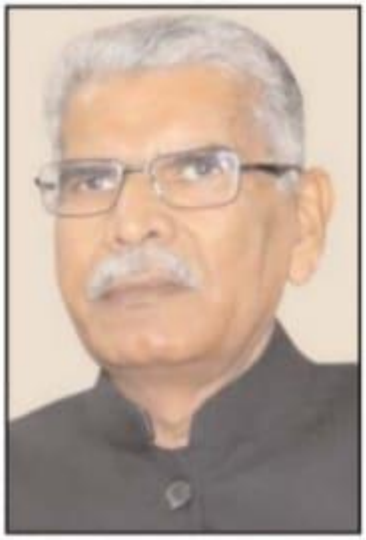

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर करवाए जा रहे दो-क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम शिक्षण संस्थानों व शोधार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा नैतिक शोध पर आधारित इन पाठ्यक्रमों में अन्य कई केंद्रीय व राज्यस्तरीय शिक्षण संस्थाओं ने भी रूचि दिखाई है वह इस पाठ्यक्रम को अपनी-अपनी संस्था में उपलब्ध कराने के इच्छुक हैं। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि यह पाठ्यक्रम अनुसंधान व शोध

हकेंवि कैंपस में 15 से शुरू होंगी कक्षाएं

11 माह बाद शुरु हो रहीं कक्षाएं, पहले चरण में विज्ञान विषय की कक्षाएं लगाई जाएंगी, ऑनलाइन कक्षाएं भी जारी रहेंगी

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार से सभी कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। अब सभी शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को परिसर में आना होगा। पिछले करीब 11 महीने से बंद प्रत्यक्ष कक्षाएं 15 फरवरी से दोबारा शुरू करने का फैसला लिया है। कक्षा कक्षों को सैनिटाइज कराया गया है। सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों को कोविड-19 के मानकों का पालन करना होगा।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों की बैठक में मौजूदा स्थिति को लेकर विस्तार से चर्चा के बाद विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 15 फरवरी से प्रत्यक्ष कक्षाएं आरंभ करने पर सहमति बनी। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, अधिकारियों को प्रत्यक्ष कक्षाओं को आरंभ करने के समय कोरोना महामारी से बचाव के लिए

कोविड 19 के मानकों का पालन करना अनिवार्य

केंद्र व राज्य सरकार की ओर से निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालना कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष कक्षाओं के शुरू होने पर कक्षाओं में सामाजिक दूरी, मास्क, सैनिटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता लागू रहेगी। मौजूदा स्थिति को देखते हुए अभी केवल विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष कक्षाएं शुरू की जा रही है। इसके साथ-साथ ऑनलाइन अध्ययन की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए अन्य आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। निर्धारित अवधि तक सभी तैयारी पूर्ण कर ली जाएंगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए 8 फरवरी से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक, शिक्षणेतर कर्मचारियों की सौ फीसदी उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

'कई शिक्षण संस्थान हकेंवि के क्रेडिट मॉडल को अपनाने की तैयारी में'

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर करवाए जा रहे दो- क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम शिक्षण संस्थानों, शोधार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा नैतिक शोध पर आधारित इन पाठ्यक्रमों में अन्य कई केंद्रीय, राज्यस्तरीय शिक्षण संस्थाओं ने भी रुचि दिखाई है वह इस पाठ्यक्रम को अपनी-अपनी संस्था में उपलब्ध कराने के इच्छुक हैं।

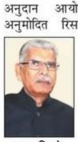

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

शोधार्थियों के बीच लोकप्रिय हो रहा है रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पर केंद्रित पाठ्यक्रम

प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि यह पाठ्यक्रम अनुसंधान व शोध कार्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विश्वविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में उच्च मानक निर्धारित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए प्रतिबद्ध है और इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय नैतिक शोध पर आधारित मूक कोर्स विकसित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं, साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अन्य सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों के साथ संयुक्त रूप से यह पाठ्यक्रम प्रसारित व साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारा यह प्रयास उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच संसाधनों को साझा करने के अपने प्रयासों की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा।

विदित है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. के समन्वयन में अन्य शिक्षकों की सहायता से उपलब्ध करवाया जा रहा है। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों का बेहद उल्लेखनीय रुझान देखने को मिल रहा है। कई विश्वविद्यालयों ने इन पाठ्यक्रमों को उपयोगी बताया है जिससे स्पष्ट है कि हम अपने उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर है। डॉ. संतोष ने कहा कि अब हम अपने कुलपति माननीय प्रो. आर.सी. कुहाड़ के सुझाव, मार्गदर्शन में इससे संबंधित मूक कोर्स भी तैयार करने जा रहे हैं। जो अवश्य ही शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

हकेंवि के प्रशासनिक ब्लाक से दो बैटरी चोरी, मामला दर्ज

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली के प्रशासनिक ब्लॉक से डीजी की दो बैटरी चोरी हो गई। इस विषय में विश्वविद्यालय के सिक्योरिटी अधिकारी ने सदर थाने पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सिक्योरटी अधिकारी रामबीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि प्रशासनिक ब्लॉक के डीजी सेट की दो बैटरी चोरी हो गई है। 31 जनवरी को संबंधित व्यक्ति जेई इलेक्ट्रिकल को इस घटना का पता चला और संभावित स्तरों पर बैटरियों की तलाश किया गया तो दो बैटरी कहीं पर भी नहीं मिली। पुलिस ने रामबीर सिंह की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

जेएनयू का नाम बदलने का प्रस्ताव नहीं: निशंक

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय का नाम बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। भाजपा महासचिव सीटी रवि ने पिछले साल नवंबर में एक ट्वीट किया था कि जेएनयू का नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा जाए। इससे जुड़े सवाल पर निशंक ने सोमवार को सदन में कहा कि नहीं सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। ब्यूरो

विश्वविद्यालय, कॉलेजों को नैक एक्रिडिएशन अनिवार्य

यूजीसी ने सभी यूनिवर्सिटी को लिखा पत्र

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। वर्ष 2022 तक देश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को नैक एक्रिडिएशन लेना अनिवार्य होगा। नई शिक्षा नीति-2020 के तहत शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के मकसद से यह किया गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 2022 तक सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को नैक एक्रिडिएशन का दर्जा देने का टारगेट रखा है। इसी के तहत यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है कि वे नैक एक्रिडिएशन लेने के लिए रिसर्च, छात्रों की संख्या, शिक्षकों को पदों को भरने समेत गुणवत्ता पर फोकस करें। इसमें बड़े विश्वविद्यालयों को छोटे विश्वविद्यालयों व कॉलेजों को नैक एक्रिडिएशन में मदद के लिए मेंटर बनाया गया है। इसके लिए आयोग उन्हें 30 लाख रुपये तक मदद भी करेगा। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों को परामर्श नामक से दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें नैक एक्रिडिएशन के नियमों व शर्तों को भी शामिल किया गया है। इसके तहत सभी संस्थानों को 2022 तक कम से कम 2.5 प्राप्तांकों के साथ नैक एक्रिडिएशन (राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद) लेना अनिवार्य है। बड़े विश्वविद्यालयों को मेंटर बनना होगा। मेंटर बनने के लिए नैक एक्रिडिएशन में 3.26 या उससे अधिक अंक होने जरूरी हैं।

30 हजार कॉलेजों ने नहीं किए आवेदन

देशभर में फिलहाल 350 विश्वविद्यालयों और 30 हजार कॉलेजों में नैक एक्रिडिएशन नहीं है। यानी अभी तक इन विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने इसके लिए आवेदन भी नहीं किया है।

'हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष कक्षाएं 15 से होंगी आरम्भ'

महेंद्रगढ़, 5 फरवरी (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कोरोना महामारी के चलते पिछले करीब एक साल से बंद प्रत्यक्ष कक्षाएं एक बार फिर से शुरू होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक में इस संबंध में मौजूदा स्थिति में विस्तार से चर्चा के बाद विज्ञान विषयों के अंतिम समैस्टर के विद्यार्थियों के लिए 15 फरवरी से प्रत्यक्ष कक्षाएं आरम्भ करने पर सहमति बनी।

इस बैठक में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व अधिकारियों को प्रत्यक्ष कक्षाओं को आरम्भ करने के समय कोरोना महामारी से बचाव के लिए आवश्यक केंद्र व राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई के साथ निर्देशित किया गया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat,06 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

'हकेंवि ने रिकॉर्ड 2 दिन में घोषित किए परीक्षा परिणाम'

महेंद्रगढ़, 5 फरवरी (परमजीत/ मोहन): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे व 5वें समैस्टर के विद्यार्थियों के लिए 3 फरवरी को सम्पन्न हुई सत्रांत समैस्टर ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम 5 फरवरी से आना शुरू हो गए हैं।

विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शुक्रवार को बी.वॉक के परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने परीक्षा नतीजे घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि 5 जनवरी से प्रारम्भ हुई समैस्टर परीक्षाएं 3 फरवरी को सम्पन्न हुईं। जिसके पश्चात 5 फरवरी से परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को बी. वॉक-रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमैंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमैंट व बायोमैडिकल साइंसिज के विद्यार्थियों के लिए तीसरे व 5वें समैस्टर की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर देख सकते हैं।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat,06 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 3

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष कक्षाएँ 15 फरवरी से होंगी आरम्भ

विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए खुलेगा विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में कोरोना महामारी के चलते पिछले करीब एक साल से बंद प्रत्यक्ष कक्षाएँ एक बार फिर से शुरू होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों की एक महत्त्वपूर्ण बैठक में इस संबंध में मौजूदा स्थिति में विस्तार से चर्चा के बाद विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 15 फरवरी से प्रत्यक्ष कक्षाएँ आरम्भ करने पर

सहमति बनी। इस बैठक में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व अधिकारियों को प्रत्यक्ष कक्षाओं को आरम्भ करने के समय कोरोना महामारी से बचाव के लिए आवश्यक केंद्र व राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने स्पष्ट किया है कि प्रत्यक्ष कक्षाओं के शुरू होने पर कक्षाओं में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क व सेनेटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता लागू रहेगी। कुलपति ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए अभी केवल विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष कक्षाएँ शुरू की जा रही है। इसके साथ-साथ ऑनलाइन अध्ययन की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए अन्य आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं जोकि निर्धारित अवधि तक पूर्ण कर ली जाएंगी। इसी कड़ी में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलसचिव की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए 8 फरवरी, 2021 से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों की सौ फीसद उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
6 Feb 2021

हकेंवि ने रिकॉर्ड दो दिन में घोषित किए परीक्षा परिणाम

- परीक्षा नतीजे घोषित होने पर कुलपति ने विद्यार्थियों को बधाई दी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए तीन फरवरी को संपन्न हुई सत्रांत सेमेस्टर ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार पांच फरवरी से आना शुरू हो गए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शुक्रवार को बीवॉक के परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने परीक्षा नतीजे घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जायेंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि पिछली 5 जनवरी से प्रारंभ हुई सेमेस्टर परीक्षाएं 3 फरवरी को संपन्न हुई। जिसके पश्चात शुक्रवार 5 फरवरी से परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को बीवॉक रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमडिकल साइंसेज के विद्यार्थियों के लिए तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द तैयार कर घोषित कर दिए जाएंगे। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विवि में 15 से शुरू होंगी कक्षाएं

नारनौल, 5 फरवरी (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कोरोना महामारी के चलते पिछले करीब एक साल से बंद कक्षाएं 15 फरवरी से फिर शुरू होने जा रही हैं। इस संबंध में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ की अध्यक्षता में अधिष्ठाताओं एवं विभागाध्यक्षों की बैठक में विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 15 फरवरी से कक्षाएं आरंभ करने पर सहमति बनी। बैठक में कुलपति ने अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व अधिकारियों को कक्षाओं को आरम्भ करने के समय कोरोना महामारी से बचाव के लिए आवश्यक सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई के साथ पालन करने के निर्देश दिये। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने स्पष्ट किया है कि कक्षाओं के शुरू होने पर कक्षाओं में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क व सेनेटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता लागू रहेगी।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, http

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने रिकॉर्ड दो दिन में घोषित किए परीक्षा परिणाम

-तीन फरवरी को सम्पन्न हुई परीक्षाएं, पांच से आने लगे नतीजे

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए तीन फरवरी को सम्पन्न हुई सत्रांत सेमेस्टर ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार पांच फरवरी से आना शुरू हो गए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शुक्रवार को बी.वॉक. के परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने परीक्षा नतीजे घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जायेंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि पिछली 5 जनवरी, 2021 से प्रारम्भ हुई सेमेस्टर परीक्षाएं 3 फरवरी, 2021 को सम्पन्न हुई। जिसके पश्चात शुक्रवार 5 फरवरी से परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को बी.वॉक.-रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमडिकल साइंसेज के विद्यार्थियों के लिए तीसरे व पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द तैयार कर घोषित कर दिए जायेंगे। विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विवि में प्रत्यक्ष कक्षाएं 15 फरवरी से होंगी शुरू

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में कोरोना महामारी के चलते पिछले करीब एक साल से बंद प्रत्यक्ष कक्षाएं 15 फरवरी से पुनः शुरू होने जा रही हैं। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ की अध्यक्षता में अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक में इस संबंध में फैसला किया गया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व अधिकारियों को प्रत्यक्ष कक्षाओं को आरंभ करने के समय कोरोना महामारी से बचाव के लिए आवश्यक केंद्र व राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए। कुलपति ने स्पष्ट किया है कि प्रत्यक्ष कक्षाओं के शुरू होने पर विश्वविद्यालय में शारीरिक दूरी, मास्क व सैनिटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता लागू रहेगी। कुलपति ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए अभी केवल विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष कक्षाएं शुरू की जा रही हैं। इसके साथ-साथ ऑनलाइन अध्ययन की प्रक्रिया भी जारी रहेगी।

प्रो. आरसी कुहाड़ • जागरण

विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए अन्य आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, जोकि निर्धारित अवधि तक पूर्ण कर ली जाएंगी। इसी कड़ी में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलसचिव की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए 8 फरवरी से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों की सौ फीसद उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

रिकॉर्ड दो दिन में घोषित किए परिणाम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए तीन फरवरी को संपन्न हुई सेमेस्टर ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम पांच फरवरी से आना शुरू हो गए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शुक्रवार को बीवाक के परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने परीक्षा नतीजे घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि 5 जनवरी से प्रारंभ हुई सेमेस्टर परीक्षाएं 3 फरवरी को संपन्न हुई हैं। इसके पश्चात 5 फरवरी से परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को बीवॉक, रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थियों के लिए तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द तैयार कर घोषित कर दिए जायेंगे। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विवि ने रिकॉर्ड दो दिन में घोषित किए परीक्षा परिणाम

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ द्वारा आयोजित तीसरे व 5वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 3 फरवरी को सम्पन्न हुई सत्रांत सेमेस्टर ऑनलाइन परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार 5 फरवरी से आना शुरू हो गए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शुक्रवार को बीवॉक के परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने परीक्षा नतीजे घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जायेंगे। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि 5 जनवरी, 2021 से शुरू हुई सेमेस्टर परीक्षाएं 3 फरवरी, 2021 को संपन्न हुईं। जिसके पश्चात शुक्रवार 5 फरवरी से परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थियों के लिए तीसरे व 5वें सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे घोषित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित किए जाएंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष कक्षाएं 15 फरवरी से शुरू

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में कोरोना महामारी के चलते एक साल से बंद प्रत्यक्ष कक्षाएं शुरू होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं व विभागाध्यक्षों की बैठक में चर्चा की गई। जिसमें विज्ञान विषयों के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 15 फरवरी से प्रत्यक्ष कक्षाएं शुरू करने पर सहमति बनी। बैठक में कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों व अधिकारियों को प्रत्यक्ष कक्षाओं को शुरू करने के समय कोरोना महामारी से बचाव के लिए आवश्यक कोरोना गाइड लाइन का पालन करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने स्पष्ट किया है कि प्रत्यक्ष कक्षाओं के शुरू होने पर कक्षाओं में सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क व सेनेटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता लागू रहेगी। अभी विज्ञान विषय के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष कक्षाएं शुरू की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलसचिव की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए 8 फरवरी, से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों की सौ फीसद उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

हकेंवि ने परीक्षा के दो दिन बाद ही परिणाम जारी कर बनाया रिकॉर्ड

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 3 फरवरी को संपन्न हुई सेमेस्टर ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार 5 फरवरी से जारी करना शुरू कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शुक्रवार को बी वॉक के परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। कुलपति प्रो. आरसी ने कहा कि शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि पिछली 5 जनवरी से प्रारंभ हुई सेमेस्टर परीक्षाएं 3 फरवरी को संपन्न हुई। जिसके पश्चात 5 फरवरी से परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को बी वॉक रिटेल ऐंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थियों के लिए तीसरे व पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं। ब्यूरो

तीन फरवरी को संपन्न हुई परीक्षाएं, पांच से आने लगे नतीजे

गणतन्त्र दिवस परेड में शामिल होकर लौटे स्वयंसेवक को कुलपति ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक हेमन्त को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सम्मानित किया। कुलपति ने हेमन्त को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हेमन्त ने विश्वविद्यालय के साथ राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है व इससे दूसरे स्वयंसेवको को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। हेमन्त ने एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किए।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया की हेमन्त का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतन्त्र दिवस की परेड के लिए हुआ था। हेमन्त ने 1 से 31 जनवरी तक लगने वाले गणतन्त्र दिवस परेड शिविर मे हिस्सा लिया। इस शिविर के दौरान हेमन्त को विभिन्न गतिविधियो मे शामिल होने का मौका मिला। डॉ. चहल ने बताया कि हेमन्त के इस प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा के राज्यपाल महामहिम श्री सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में हेमन्त को प्रमाण-पत्र, शील्ड व 5100 रूपये देकर सम्मानित किया। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से 21000 रुपये देकर सम्मानित किया।

'स्वयंसेवक हेमंत को कुलपति कुहाड़ ने किया सम्मानित'

केन्द्रीय विश्वविद्यालय में लौटने पर हेमंत को सम्मानित करते कुलपति आर.सी. कुहाड़।

महेंद्रगढ़, 4 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के स्वयंसेवक हेमंत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सम्मानित किया। कुलपति ने हेमंत को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी ।

उन्होंने कहा कि हेमंत ने विश्वविद्यालय के साथ राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है व इससे दूसरे स्वयंसेवकों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

हेमंत ने एन.एस.एस. इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुलाकात की और अपने अनुभव सांझा किए। डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि हेमंत ने 1 से 31 जनवरी तक लगने वाले गणतंत्र दिवस परेड शिविर में हिस्सा लिया। हेमंत के इस प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा के राज्यपाल महामहिम सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में हेमंत को प्रमाण-पत्र, शील्ड व 5100 रुपए देकर सम्मानित किया। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से 21000 रुपए देकर सम्मानित किया गया।

हेमंत ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़, माता-पिता व गुरुजनों को देते हुए कहा कि माननीय कुलपति ने सदैव राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका की सराहना की व समय-समय पर स्वयंसेवकों को और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया।

हेमन्त ने बताया कि शिविर के दौरान 24 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इसके बाद गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर राष्ट्रपति को सलामी देकर अपने सपने को साकार किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने भी स्वयंसेवक हेमंत को बधाई दी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri,05 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 2

गणतन्त्र दिवस परेड में शामिल होकर लौटे स्वयंसेवक को कुलपति ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक हेमन्त को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सम्मानित किया। कुलपति ने हेमन्त को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हेमन्त ने विश्वविद्यालय के साथ राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है व इससे दूसरे स्वयंसेवको को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। हेमन्त ने एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किए।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया की हेमन्त का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतन्त्र दिवस की परेड के लिए हुआ था। हेमन्त ने 1 से 31 जनवरी तक लगने वाले गणतन्त्र दिवस परेड शिविर मे हिस्सा लिया। इस शिविर के दौरान हेमन्त को विभिन्न गतिविधियो मे शामिल होने का मौका मिला। डॉ. चहल ने बताया कि हेमन्त के इस प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा के राज्यपाल महामहिम श्री सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में हेमन्त को प्रमाण-पत्र, शील्ड व 5100 रुपए देकर सम्मानित किया। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से 21000 रुपये देकर सम्मानित किया।

हेमन्त ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़, माता-पिता व गुरुजनों को देते हुए कहा कि माननीय कुलपति महोदय ने सदैव राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका की सराहना की व समय समय पर स्वयंसेवको को और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया। हेमन्त ने बताया कि शिविर के दौरान 24 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इसके बाद गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर राष्ट्रपति को सलामी देकर अपने सपने को साकार किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने भी स्वयंसेवक हेमन्त को बधाई व शुभकामनाये दी।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

5 Feb 2021

सम्मानित

कुलपति ने हेमंत को परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर लौटे स्वयंसेवक को कुलपति ने किया सम्मानित

हेमंत ने गणतंत्र दिवस परेड शिविर मे हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक हेमंत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सम्मानित किया।

कुलपति ने हेमंत को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हेमंत ने विश्वविद्यालय के साथ राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है व इससे दूसरे स्वयंसेवकों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। हेमंत ने एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुलाकात की और अपने अनुभव सांझा किए। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि हेमंत का चयन गणतंत्र दिवस की परेड के लिए हुआ था। हेमंत ने 1 से 31 जनवरी तक लगने वाले गणतंत्र दिवस परेड शिविर मे हिस्सा लिया। इस शिविर के दौरान हेमंत को विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका व डॉ. आनन्द शर्मा ने भी स्वयंसेवक हेमंत को बधाई व शुभकामनाएं दी।

महेंद्रगढ़। विश्वविद्यालय में हेमंत को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

21000 देकर किया सम्मानित

डॉ. चहल ने बताया कि हेमंत के इस प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में हेमंत को प्रमाण-पत्र, शील्ड व 5100 रुपए देकर सम्मानित किया। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से 21000 रुपये देकर सम्मानित किया। हेमन्त ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति, माता-पिता व गुरुजनों को दिया। हेमंत ने बताया कि शिविर के दौरान 24 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इसके बाद गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर राष्ट्रपति को सलामी देकर अपने सपने को साकार किया।

हेमंत को कुलपति ने किया सम्मानित

संस, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक हेमंत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सम्मानित किया। कुलपति ने हेमंत को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हेमंत ने विश्वविद्यालय के साथ राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। हेमंत ने एनएसएस इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ अपने अनुभव सांझा किए। डा. चहल ने बताया कि हेमंत के इस प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में प्रमाण-पत्र, शील्ड व 5100 रूपए देकर सम्मानित किया। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से 21 हजार रुपए देकर सम्मानित किया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका व डा. आनंद शर्मा ने भी बधाई दी।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर लौटे स्वयं सेवक किया सम्मानित

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक हेमंत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सम्मानित किया। कुलपति ने हेमंत को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा हेमंत ने विश्वविद्यालय के साथ राज्य का नाम रोशन किया है। हेमंत ने एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया हेमंत का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड के लिए हुआ था। हेमंत ने 1 से 31 जनवरी तक होने वाली गणतंत्र दिवस परेड शिविर मे हिस्सा लिया। शिविर के दौरान हेमंत को विभिन्न गतिविधियो मे शामिल होने का मौका मिला। डॉ. चहल ने बताया कि हेमंत के प्रदर्शन को देखते हुए राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने प्रमाण-पत्र, शील्ड व 5100 रुपए देकर सम्मानित किया। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से 21000 रुपए देकर सम्मानित किया।

आरक्षण रोस्टर सार्वजनिक करें यूनिवर्सिटी

यूजीसी ने पत्र लिखकर दिए दिशा-निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। आईआईटी, आईआईएम समेत देश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को आरक्षण रोस्टर सार्वजनिक करना होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा है। इसमें एससी, एसटी, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी और पर्सन विद डिसिबिलिटीज (दिव्यांग) उम्मीदवारों को टीचिंग और नॉन टीचिंग पदों की भर्ती, दाखिले से लेकर हॉस्टल में आरक्षण नियमों का लाभ देने का निर्देश दिया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव प्रो. रजनीश जैन ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी, डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, स्टेट यूनिवर्सिटी, सरकार से सहायता प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक संस्थान समेत सभी अन्य संस्थानों के रजिस्ट्रार को पत्र लिखा है। इसमें लिखा है कि सरकार के नियमों के तहत इन सभी संस्थानों को आरक्षण रोस्टर तैयार करके अपनी वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य है। आयोग ने लिखा कि कई संस्थान नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।

फाइल फोटो

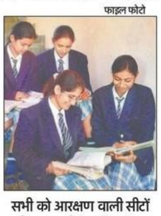

सभी को आरक्षण वाली सीटों की जानकारी देना है उद्देश्य

इसीलिए सभी को आगाह किया जाता है कि वे आरक्षण नियमों के तहत अपना-अपना आरक्षण रोस्टर तैयार करके उसकी जानकारी सार्वजनिक करें।

इसका मकसद है कि छात्रों के साथ सभी को आरक्षण वाली सीटों की सारी जानकारी प्राप्त होनी चाहिए। आयोग ने सभी विश्वविद्यालय व संस्थानों को आरक्षण रोस्टर यूजीसी पोर्टल पर अपलोड करने को कहा है। यदि कोई संस्थान अनदेखी या उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नई शिक्षा नीति : स्नातक के आखिरी सेमेस्टर में रोजगार की ट्रेनिंग अनिवार्य

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति-2020 के तहत अब बीए, बीकॉम और बीएससी प्रोग्राम के आखिरी वर्ष के छात्रों को अंतिम सेमेस्टर में रोजगार की अनिवार्य ट्रेनिंग मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अंतिम सेमेस्टर में रोजगार की अनिवार्य ट्रेनिंग को लागू कर दिया है। सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में आगामी सत्र से पहली अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप पॉलिसी को लागू करना अनिवार्य होगा। शुरुआत में 20 क्रेडिट पर आधारित ट्रेनिंग होगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर राज्यों और विश्वविद्यालयों को पहली अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप गाइडलाइन जारी कर दी है। अधिकारी के मुताबिक, बीए, बीकॉम और बीएससी जैसी सामान्य डिग्री प्रोग्राम के छात्र जब स्नातक की डिग्री लेकर कैंपस से निकलते हैं तो उनके पास स्किल नहीं होते हैं। वहीं, एक अनुमान के मुताबिक, 2030 तक दुनियाभर में सबसे अधिक युवा भारत में होंगे। ऐसे में रोजगार की सबसे अधिक जरूरत होगी।

इसी के मद्देनजर पहली अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप पॉलिसी तैयार की गई है।

फिक्की, सीआईआई वाणिज्यिक व गैर-वाणिज्यिक संगठन करेंगे मदद

शिक्षण संस्थानों में अप्रेंटिसशिप या इंटर्नशिप के लिए फिक्की, सीआईआई, वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक जैसे संगठन मदद करेंगे। इसके लिए बाकायदा विश्वविद्यालयों और इन संगठनों के बीच समझौता होगा। समझौते के तहत अप्रेंटिसशिप या इंटर्नशिप की सभी जानकारियां सार्वजनिक करनी होंगी। उद्योग संगठनों को छात्रों को आखिरी में सर्टिफिकेट भी देना होगा।

इसका मकसद है कि बीए, बीएससी और बीकॉम के छात्रों के कॉलेज से निकलने से पहले उन्होंने बहुविषयक की पढ़ाई की हो। अब स्नातक डिग्री प्रोग्राम के आखिरी वर्ष में आखिरी सेमेस्टर अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप पर आधारित होगा। इस दौरान उन्हें किसी भी विषय पर आधारित अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप करनी होगी। अप्रेंटिसशिप में उन्हें बाकायदा इंडस्ट्री की तरह से वेतन मिलेगा। इसके अलावा इंटर्नशिप में स्टाइपेंड होगा। छात्र अपने भविष्य के आधार पर दोनों में से किसी एक को चुन सकेगा।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर लौटे स्वयंसेवक को कुलपति ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। दिल्ली गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेकर लौटे एनएसएस के हेमंत को हकेंवि पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने सम्मानित किया। हेमंत ने एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल तथा कुलपति के साथ अनुभव साझा किए। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयं सेवक हेमंत को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सम्मानित किया। कुलपति ने हेमंत को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। डॉ. दिनेश चहल ने बताया की हेमंत का चयन 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड के लिए हुआ था। उन्हें विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिला। हेमंत के इस प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन में हेमंत को प्रमाण-पत्र, शील्ड, 5100 रुपये देकर सम्मानित किया। उच्चतर शिक्षा विभाग की तरफ से 21000 रुपये देकर सम्मानित किया। हेमंत ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़, माता-पिता व गुरुजनों को दिया। हेमंत ने बताया कि शिविर के दौरान 24 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर भी प्राप्त हुआ। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका, डॉ. आनंद शर्मा ने भी हेमंत को बधाई दी। ब्यूरो

सूक्ष्मजीवों का ज्ञान व इनके प्रति जागरुकता जरूरी : प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : दैनिक जीवन में सूक्ष्मजीवविज्ञान एवं सूक्ष्मजीवों के सामाजिक लाभों और इसके महत्व आज के आधुनिक दौर में अहम हो चला है। कोरोना महामारी ने हमें एक बार फिर से इस दिशा में जागरूकता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है ताकि समूची मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सके। सूक्ष्मजीवों व सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति जागरूकता विश्वविद्यालय व स्कूली स्तर पर अध्यनार्थ व साथ-साथ आम जनमानस के लिए जागरूकता अनिवार्य होनी चाहिए। यह विचार प्रो. आर.सी. कुहाड़, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व अकादमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज ऑफ इंडिया (एएमएस) ने एएमआई के 61वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्षीय सम्बोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी, डायरेक्टर जनरल, टेरी यूनिवर्सिटी, डॉ. अजय माथुर, एएमआई के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह, आईएनएससीआर के जनरल सेकरेटरी प्रो. ए.के. पांडा, एएमआई के पूर्व अध्यक्ष और सम्मेलन के सूत्रधार प्रो. रूप लाल, एएमआई की जनरल सेकरेटरी प्रो. नमिता सिंह और डॉ. बनवारी लाल सहित एएमआई के पदाधिकारी व सदस्य ऑनलाइन उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सभी गणमान्य अतिथियों का आभर व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष एएमआई कांफ्रेंस का विषय माइक्रोबाइल वर्ल्ड: रिसेंट डवलेपमेंट इन हेल्थ, एग्रीकल्चर एंड एंवायरमेंटल साइंसेज है। उन्होंने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में दैनिक जीवन में सूक्ष्मजीवविज्ञान के लाभों और इसके महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से सूक्ष्मजीवों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विश्वविद्यालय, स्कूली छात्रों और सामान्य मानविकी को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। यह विषय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जनोपयोगी है इसलिए इसके प्रति व्यापक जागरूकता जरूरी है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि सूक्ष्मजीव हमारे लिए सहयोगी भी है जैसा कि फसलों के अपशिष्ट से खाद के निर्माण में, दही, योगर्ट, जैविक खाद, फरमेंटेशन, बायो-कम्पोस्ट तथा एंटीबायोटिक में सूक्ष्मजीवों का उपयोग किया जाता है जोकि इसका सकारात्मक पक्ष है।

'सूक्ष्म जीव विज्ञान व सूक्ष्म जीवों के ज्ञान प्रति जागरूकता जरूरी: प्रो. आर.सी. कुहाड़'

महेंद्रगढ़, 3 फरवरी (परमजीत/मोहन): दैनिक जीवन में सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं सूक्ष्म जीवों के सामाजिक लाभ और इनका महत्व आधुनिक दौर में अहम हो चला है। कोरोना महामारी ने हमें एक बार फिर से इस दिशा में जागरूकता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है ताकि समूची मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सके। सूक्ष्म जीवों व सूक्ष्म जीव विज्ञान के प्रति जागरूकता विश्वविद्यालय व स्कूल स्तर पर छात्रों व साथ-साथ आम जनमानस के लिए अनिवार्य होनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अकादमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज ऑफ इंडिया (ए.एम.एस.) के 61वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्षीय सम्बोधन में व्यक्त किए।

ए.एम.आई. द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में प्रतिभागिता करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी डायरैक्टर जनरल, टेरी यूनिवर्सिटी, डॉ. अजय माथुर, ए.एम.आई. के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह, आई.एन.एस.सी.आर. के जनरल सैक्रेटरी प्रो. ए.के. पांडा, ए.एम.आई. के पूर्व अध्यक्ष और सम्मेलन के सूत्रधार प्रो. रूप लाल, ए.एम.आई. की जनरल सैक्रेटरी प्रो. नमिता सिंह और डॉ. बनवारी लाल सहित ए.एम.आई. के पदाधिकारी व सदस्य ऑनलाइन उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सभी गण्यमान्य अतिथियों का आभर व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष ए.एम.आई. कांफ्रेंस का विषय माइक्रोबाइल वर्ल्ड: रिसैंट डिवैल्पमैंट इन हैल्थ, एग्रीकल्चर एंड एन्वायरनमैंटल साइंसेज है।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि सूक्ष्मजीव हमारे लिए सहयोगी भी हैं जैसा कि फसलों के अपशिष्ट से खाद के निर्माण में, दही, योगर्ट, जैविक खाद, फरमैंटेशन, बायो-कम्पोस्ट तथा एंटीबायोटिक में सूक्ष्मजीवों का उपयोग किया जाता है जोकि इसका सकारात्मक पक्ष है। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि हम सूक्ष्मजीव विज्ञान और सूक्ष्म जीवों के सकारात्मक पक्ष को न सिर्फ समझें बल्कि उससे संबंधित शोध व अनुसंधान की दिशा में ऊर्जा के साथ प्रयास करें। कुलपति ने इस सम्मेलन के आयोजन हेतु समूची आयोजन समिति टेरी, नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीच्यूट और इंडियन नैटवर्क फॉर सॉयल कांटेमिनेशन एंड रिसर्च का भी आभार व्यक्त किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu,04 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4

सूक्ष्मजीव विज्ञान व सूक्ष्मजीवों के प्रति जागरूकता जरूरी : प्रो. कुहाड़

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: दैनिक जीवन में सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं सूक्ष्मजीवों के सामाजिक लाभों और इसके महत्व आज के आधुनिक दौर में अहम हो चला है। कोरोना महामारी ने हमें एकबार फिर से इस दिशा में जागरूकता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, ताकि समूची मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सके।

सूक्ष्मजीवों व सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति जागरूकता विश्वविद्यालय व स्कूली स्तर पर अध्यनार्थ व आम जनमानस के लिए जागरूकता अनिवार्य होनी चाहिए। यह विचार प्रो. आरसी कुहाड़, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व अकादमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज ऑफ इंडिया (एएमएस) ने एएमआइ के 61 वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्षीय सम्बोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीसी जोशी, डायरेक्टर जनरल, टेरी यूनिवर्सिटी, डा. अजय माथुर, एएमआई के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह, आइएनएससीआर के जनरल सेक्रेटरी प्रो. एके पांडा, एएमआइ के पूर्व अध्यक्ष और सम्मेलन के सूत्रधार प्रो. रूप लाल, एएमआइ की जनरल सेक्रेटरी प्रो. नमिता सिंह और डा. बनवारी लाल सहित एएमआई के पदाधिकारी व सदस्य ऑनलाइन उपस्थित रहे।

वीरवार 4 फरवरी, 2021

सूक्ष्मजीवविज्ञान व सूक्ष्मजीवों का ज्ञान व इनके प्रति जागरूकता जरूरी: प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़। चेतना संवाददाता। दैनिक जीवन में सूक्ष्मजीवविज्ञान एवं सूक्ष्मजीवों के सामाजिक लाभों और इसके महत्व आज के आधुनिक दौर में अहम हो चला है। कोरोना महामारी ने हमें एक बार फिर से इस दिशा में जागरूकता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है ताकि समूची मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सके। सूक्ष्मजीवों व सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति जागरूकता विश्वविद्यालय व स्कूली स्तर पर अध्यनार्थ व साथ-साथ आम जनमानस के लिए जागरूकता अनिवार्य होनी चाहिए। यह विचार प्रो. आर.सी. कुहाड़, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ व अकादमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज ऑफ इंडिया (एएमएस) ने एएमआई के 61वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्षीय सम्बोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी, डायरेक्टर जनरल, टेरी यूनिवर्सिटी, डॉ. अजय माथुर, एएमआई के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह, आईएनएससीआर के जनरल सेकरेटरी प्रो. ए.के. पांडा, एएमआई के पूर्व अध्यक्ष और सम्मेलन के सूत्रधार प्रो. रूप लाल, एएमआई की जनरल सेकरेटरी प्रो. नमिता सिंह और डॉ. बनवारी लाल सहित एएमआई के पदाधिकारी व सदस्य ऑनलाइन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सभी गणमान्य अतिथियों का आभर व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष एएमआई कांफ्रेंस का विषय माइक्रोबाइल वर्ल्ड: रिसेंट डवलेपमेंट इन हेल्थ, एग्रीकल्चर एंड एंवायरमेंटल साइंसेज है। उन्होंने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में दैनिक जीवन में सूक्ष्मजीवविज्ञान के लाभों और इसके महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से सूक्ष्मजीवों की महत्वपूर्ण

भूमिका के बारे में विश्वविद्यालय, स्कूली छात्रों और सामान्य मानविकी को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। यह विषय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जनोपयोगी है इसलिए इसके प्रति व्यापक जागरूकता जरूरी है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि सूक्ष्मजीव हमारे लिए सहयोगी भी है जैसा कि फसलों के अपशिष्ट से खाद के निर्माण में, दही, योगर्ट, जैविक खाद, फरमेंटेशन, बायो-कम्पोस्ट तथा एंटीबायोटिक में सूक्ष्मजीवों का उपयोग किया जाता है जोकि इसका सकारात्मक पक्ष है। इसी तरह यह आपका सबसे बड़ा दुश्मन भी साबित हो सकता है और कोरोना महामारी इसका साक्षात उदाहरण है।

सूक्ष्मजीवों के प्रति जागरुकता जरूरी : वीसी

महेंद्रगढ़ | दैनिक जीवन में सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं सूक्ष्म जीवों का महत्व आधुनिक दौर में अहम हो गया है। कोरोना महामारी ने हमें एक बार फिर से इस दिशा में जागरुकता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। सूक्ष्म जीवों व सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति जागरुकता विश्वविद्यालय व स्कूली स्तर पर अनिवार्य होनी चाहिए। यह विचार प्रो. आरसी कुहाड़ ने एएमआई के 61वें वार्षिक सम्मेलन में व्यक्त किए। इस अवसर पर दिल्ली विवि के कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी, डायरेक्टर जनरल, टेरी यूनिवर्सिटी, डॉ. अजय माथुर, एएमआई के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह, आईएनएससीआर के जनरल सेक्रेटरी प्रो. ए. के पांडा, एएमआई के पूर्व अध्यक्ष और सम्मेलन के सूत्रधार प्रो. रूप लाल, एएमआई की जनरल सेकरेटरी प्रो. नमिता सिंह और डॉ. बनवारी लाल सहित एएमआई के पदाधिकारी व सदस्य ऑनलाइन उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष एएमआई कॉन्फ्रेंस का विषय माइक्रोबाइल वर्ल्ड: रिसेंट डेवलपमेंट इन हेल्थ, एग्रीकल्चर एंड एन्वायरमेंटल साइंसेज है। उन्होंने कहा कि आउटरीच कार्यक्रम से सूक्ष्म जीवों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विवि के छात्रों और आम लोगों

एएमआई द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के सत्र को किया संबोधित

को जानकारी होनी देना बहुत जरूरी है। प्रो. कुहाड़ ने कहा फसलों के अपशिष्ट से खाद के निर्माण में, दही, योगर्ट, जैविक खाद, फरमेंटेशन, बायो-कम्पोस्ट तथा एंटीबायोटिक में सूक्ष्म जीवों का उपयोग किया जाता है। इसी तरह यह आपका सबसे बड़ा दुश्मन भी साबित हो सकता है और कोरोना महामारी इसका साक्षात उदाहरण है। इसलिए सूक्ष्मजीव विज्ञान और सूक्ष्म जीवों के साकारात्मक पक्ष को न सिर्फ समझें बल्कि उससे संबंधित शोध व अनुसंधान की दिशा में ऊर्जा के साथ प्रयास करें। कुलपति ने इस अवसर पर समाज व बच्चों पर केंद्रित साइंस एंड सोसायटी नामक विशेष जागरूकता सत्र का भी उल्लेख किया।

सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति जागरूकता जरूरी

महेंद्रगढ़। दैनिक जीवन में सूक्ष्मजीव विज्ञान-सूक्ष्मजीवों के सामाजिक लाभों के महत्व आज के आधुनिक दौर में अहम हो चला है। कोरोना ने हमें एक बार फिर से इस दिशा में जागरूकता की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। जिससे समूची मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सके। सूक्ष्मजीवों, सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रति जागरूकता विश्वविद्यालय, स्कूली स्तर पर अध्यनार्थ, साथ-साथ आम जनमानस के लिए जागरूकता अनिवार्य होनी चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अकादमी ऑफ माक्रो बायोलॉजिकल साइंसेज ऑफ इंडिया (एएमएस) एएमआई के 61वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्षीय संबोधन में व्यक्त किए। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीसी जोशी, डायरेक्टर जनरल टेरी यूनिवर्सिटी डॉ. अजय माथुर, एएमआई के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह, आईएनएससीआर के जनरल सेक्रेटरी प्रो. एके पांडा, एएमआई के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रूप लाल, एएमआई की महासचिव प्रो. नमिता सिंह, डॉ. बनवारी लाल सहित एएमआई के पदाधिकारी, सदस्य ऑनलाइन उपस्थित रहे।(ब्यूरो)

नवोदय विद्यालय खोलने को मंजूरी

10वीं और 12वीं कक्षाओं के लिए खोले जाएंगे आवासीय स्कूल

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने आवासीय नवोदय विद्यालय स्कूलों को खोलने की हरी झंडी दे दी है। सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को देखते हुए 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल खोलने की अनुमति दी गई है। जिन राज्यों में प्रदेश सरकार ने बोर्ड परीक्षाओं के छात्रों के लिए स्कूल खोलने की अनुमति दी है, उन्हीं राज्यों में नवोदय विद्यालय स्कूल खोले जा सकते हैं। छात्रों को वापस हॉस्टल भेजने का फैसला अभिभावकों पर छोड़ा गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के मुताबिक, कोविड-19 के कारण मार्च 2020 से नवोदय विद्यालय आवासीय स्कूलों को बंद कर दिया गया था। छात्र घर में ही ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं, 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा 4 मई से शुरू करने की डेटशीट जारी कर दी है। इसके अलावा दस से अधिक राज्यों ने बोर्ड परीक्षाओं के छात्रों की तैयारी के लिए स्कूल खोल दिए हैं। छात्रों के भविष्य को देखते हुए नवोदय विद्यालय स्कूलों को खोलने का फैसला लिया गया है।

अभिभावकों की सहमति जरूरी

बोर्ड कक्षाओं के छात्रों की पढ़ाई के लिए हॉस्टल वापस लौटने का आखिरी फैसला अभिभावक करेंगे। दरअसल केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय नवोदय विद्यालय के सभी बोर्ड परीक्षार्थियों के आने से पहले उनके अभिभावकों की रजामंदी लेगा। यदि अभिभावक लिखित रूप से अनुमति देते हैं तो ही ऐसे छात्रों को स्कूल आने दिया जाएगा।

हॉस्टल में रहने और मैस के लिए विशेष गाइडलाइन

देशभर में 638 जिलों में 661आवासीय नवोदय विद्यालय स्कूल हैं। इसमें बोर्ड कक्षाओं में करीब डेढ़ लाख छात्र पढ़ते हैं। इसलिए इतने छात्रों के लिए हॉस्टल और मैस दोबारा खोलने और कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सामाजिक दूरी (6 फीट की दूरी) के तहत मंत्रालय विशेष गाइडलाइन तैयार कर रहा है।

अगले चरण में अन्य कक्षाओं को मिलेगी अनुमति

नवोदय विद्यालय के छठी, सातवीं, आठवीं, 9वीं और 11वीं कक्षा के छात्रों के लिए अगले चरण में स्कूल खोलने की भी तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए मंत्रालय की टीम संभावनाओं पर रिपोर्ट बना रही है।

दैनिक जागरण

रेवाड़ी-नारनौल

www.jagran.com

आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य पूरा करेगी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति

•पूरा होगा प्रगतिशील व मजबूत राष्ट्र का सपना: प्रो. कुहाड़

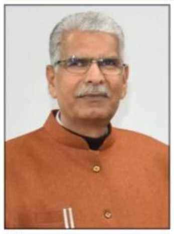

प्रोफेसर रमेश चन्द्र कुहाड़
एफएएमएससी, एफएनएएससी,
एफएनएएएस, एफबीआरएस
कुलपति, हरियाणा केन्द्रीय
विश्वविद्यालय, जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा

लंबे समय तक गंभीर मंथन के बाद सामने आई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लेकर अभी भी बहस जारी है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र कुहाड़ ने इस नीति का गहराई से अध्ययन करने के बाद अपना दृष्टिकोण स्पष्ट कर दिया है। दैनिक जागरण को भेजे अपने निम्न लेख में प्रो. कुहाड़ ने इस नीति को आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य पूरा करने वाली बताया है। उनका मानना है कि नई शिक्षा नीति केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक का ऐसा दस्तावेज है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करेगा। प्रस्तुत है नई शिक्षा नीति को लेकर प्रो. कुहाड़ का दृष्टिकोण व सुझाव :

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार रचनात्मक बदलाव लाने के लिए लगभग सभी क्षेत्रों में सुधार ला रही है। शिक्षा का क्षेत्र इनमें से एक है, जिसे विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नई शिक्षा नीति-2020 एक ओर जहां आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य पूरा करेगी, वहीं मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। गत वर्ष 29 जुलाई, 2020 को केंद्रीय शिक्षामंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा जारी किया गया नई नीति का दस्तावेज एनईपी की विभिन्न विशिष्ट विशेषताओं पर बल देता है। इसमें युवाओं के समग्र विकास पर बल दिया गया है। प्रधानमंत्री की उम्मीदों को पूरा करने के लिए कौशल विकास पर जोर दिया गया है। पीएम ने शिक्षा के कौशल आधारित जिस मॉडल की परिकल्पना की है, वह इस नीति से पूरा होने जा रहा है।

देश के युवाओं के लिए रोजगारपरक और आत्मनिर्भर बनाने वाले पाठ्यक्रमों को अभूतपूर्व महत्व दिया गया है। इससे औद्योगिक क्रांति का सूत्रपात होगा। शिक्षामंत्री ने प्रत्येक मंच पर जोर दिया है कि नीति व्यावसायिक शिक्षा को अतिरिक्त प्रोत्साहन देती है और व्यावसायिक विषयों और प्रशिक्षण को स्कूल स्तर पर भी पेश करती है। एक ओर आधुनिक शिक्षा है तो दूसरी ओर बढई, प्लंबर, बिजली की मरम्मत, बागवानी, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाई आदि के प्रशिक्षण पर बल दिया गया है। लोकल फॉर वाकल का नारा भी मूर्तरूप लेगा। स्कूल स्तर पर प्राप्त किए गए व्यावसायिक कौशल से छात्रों की व्यक्तिगत आवश्यकता के आधार पर उच्च शिक्षा स्तर तक बढ़ाया जा सकता है।

> 'नई नीति से स्वास्थ्य, फार्मा, कृषि, इलेक्ट्रानिक्स और अन्य उभरते क्षेत्रों में युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से इन उम्मीदों को बल मिलेगा।'

नई नीति से स्वास्थ्य, फार्मा, कृषि, इलेक्ट्रानिक्स और अन्य उभरते क्षेत्रों में युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से इन उम्मीदों को बल मिलेगा। इन केंद्रों की भूमिका अहम रहेगी। स्थानीय के लिए आवाज (वोकल फॉर लोकल) का सपना पूरा होगा। कौशल विकास होने से स्थानीय युवकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर खोजने व दूसरों को रोजगार देने में सक्षम बनने का मौका मिलेगा। यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले समय में युवा नौकरी के पीछे दौड़ लगाने की बजाय व्यवसाय की स्थापना की ओर बढ़ेगा। दूसरों को रोजगार देने वाले स्टार्टअप की स्थापना की ओर आगे बढ़ेगा।

पांच साल में पांच करोड़ प्रशिक्षित

भारत सरकार के कौशल भारत अभियान के तहत पिछले पांच वर्षों में पांच करोड़ युवा उम्मीदवारों को कौशल विकास और प्रशिक्षण का अवसर मिला है। आइआइएम और आइआइटी की तर्ज पर भारतीय कौशल संस्थानों की स्थापना के प्रस्ताव से मिशन को और मजबूती मिलने जा रही है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग के लिए कौशल प्रयासों की प्रक्रिया को गति देने के लिए भी काम किया जा रहा है। इसके लिए दस देशों के सहयोग से कौशल-मानचित्रण की प्रक्रिया चल रही है। वह दिन दूर नहीं जब भारतीय युवा नौकरी-पेशा नहीं बल्कि व्यावसायिक, रोजगारपरक और उद्यमिता कौशल के माध्यम से अपनी शिक्षा और प्रशिक्षण के विभिन्न चरणों में काम करेंगे।

KPMG (Klynveld Peat Marwick Goerdeler) और FICCI (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज) की 2018 स्किलिंग इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 तक दुनिया की कामकाजी आयु की अधिकतम आबादी भारत में होगी, मगर चिंता की जरूरत नहीं रहेगी। जनसंख्या नियोजन के लिए कौशल विकास आधार बनेगा। वर्ष 2011 में भारत में 477.9 मिलियन का कार्यबल था, जो 2017 में बढ़कर 502.4 हो गया। भारत कौशल रिपोर्ट 2018 के आंकड़ों से स्पष्ट है कि तकनीकी रूप से कुशल कार्यबल की रोजगार क्षमता 2014 में 33.95 फीसद से बढ़कर 2018 में 45.60 फीसद हो गई है। उपरोक्त रिपोर्ट के अनुसार एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि असंगठित क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के बीच कार्यबल के मौजूदा वितरण क्रमशः 92 और 8 फीसद है। वर्ष 2022 में यह क्रमशः 90 और 10 फीसद में बदल जाएगा। इसका अर्थ है कि असंगठित क्षेत्र भारत की कुशल कार्यबल की मांग को जारी रखेगा। स्पष्ट है कि माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक के लोगों को कुशल होने की आवश्यकता होगी। गैर-तकनीकी स्नातकों को भी प्रासंगिक और केंद्रित क्षेत्रों में कुशल होना आवश्यक रहेगा। आज 21 मंत्रालय पीपीपी माध्यम से कौशल विकास के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (ह्रस्छ्ष्ट) ने स्किलिंग, अप-स्किलिंग और री-स्किलिंग के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की हैं।

कौशल विकास से जुड़े जरूरी सुझाव

- सभी 37 कौशल परिषदों ने अंतर विश्लेषण किया है, लेकिन अभी भी प्रशिक्षण की पहुंच को वांछित गति प्राप्त करने की आवश्यकता है।
- विशिष्ट कौशल के लिए निजी क्षेत्र से निवेश आकर्षित करने और एक आकर्षक नीति बनाने के लिए सीएसआर को कौशल भारत आंदोलन से जोड़ने पर बल दिया जाना चाहिए।
- ऐसे शिक्षण संस्थानों को सहायता और प्रोत्साहन मिलना चाहिए जो इस तरह के पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के इच्छुक हैं।
- उन संस्थानों को प्रोत्साहित किया जो, जिनके पास पहले से ही कौशल विकास के कार्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहे हैं।
- कुशल कार्यबल की आवश्यकता वाले प्रमुख उभरते क्षेत्रों की पहचान सुनिश्चित की जाए।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निर्धारित किया गया है कि स्कूली शिक्षा विशेष रूप से ग्रेड 6 के बाद कौशल घटक होनी चाहिए। इस पर अमल हो।
- प्रमुख उभरते क्षेत्रों को ऐसे कौशल पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, इंटरनेट ऑफ एवरीथिंग आदि क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहिए। इन क्षेत्रों में नौकरियों की अपार संभावनाएं हैं। प्राइवेट व सरकारी शिक्षण संस्थाओं को इसके अनुरूप आगे बढ़ना चाहिए।

> 'माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार रचनात्मक बदलाव लाने के लिए लगभग सभी क्षेत्रों में सुधार ला रही है। शिक्षा का क्षेत्र इनमें से एक है, जिसे विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नई शिक्षा नीति-2020 एक ओर जहां आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य पूरा करेगी, वहीं मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।'

- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र के महत्व को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहुत अच्छे से बता चुके हैं। इस दिशा में शिक्षण संस्थाओं को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।
- हमें उन क्षेत्रों में स्पष्ट रोडमैप और परिभाषित कार्य दृष्टिकोण के साथ ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जहां पर युवाओं के लिए संभावनाओं के द्वार मौजूद हैं। इन क्षेत्रों की स्थानीय स्तर पर पहचान की जानी जरूरी है।
- असंगठित क्षेत्र से कौशल आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण/ व्यावहारिक घटक को स्कूल पाठ्यक्रम में एकीकृत किया जाना चाहिए ताकि स्कूली शिक्षा के बाद नौकरी पाने के इच्छुक छात्रों को उसी के अनुसार प्रशिक्षित किया जा सके।
- हालांकि लंबे समय से अंतर और बहु-विषयक दृष्टिकोण की वकालत की जाती रही है लेकिन अधिकांश संस्थानों द्वारा इस खाके को सुनियोजित तरीके से लागू नहीं किया गया था। इससे शैक्षणिक रूप से योग्य उम्मीदवारों की एक श्रेणी बन गई है, लेकिन बाजार के लिए ज्यादा उपयोग की नहीं है।
- पाठ्यक्रमों का डिजाइन तैयार करते समय उन शिक्षाविदों, अनुसंधान में लगे विज्ञानियों, उद्यमियों और कॉर्पोरेट्स के विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए, जो युवाओं की जरूरत को समझते हैं।
- नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार से आर्थिक मदद प्रदान की जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत वैश्विक स्तर पर अनुसंधान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में नई तकनीक और नवाचारों के डिजाइन और विकास में अग्रणी बन सके।
- वर्तमान में दस जमा दो या उच्च शिक्षा में पारंपरिक पाठ्यक्रम कोई अतिरिक्त कौशल प्रदान नहीं करते। इस प्रकार बड़ी संख्या में छात्र केवल उपाधि प्राप्त करने के उद्देश्य से ऐसी कार्यप्रणाली अपनाते हैं और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए निजी तौर पर अतिरिक्त कार्यप्रणाली अपनाते हैं। नई शिक्षा नीति में समय के अनुसार नए बदलाव होते रहने चाहिए।
- पारंपरिक स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की रूप-रेखा तीन भागों में विभाजित की जानी चाहिए। शिक्षण और अनुसंधान के लिए अनुशासन का पीछा करने में रुचि रखने वाले छात्रों को एक पाठ्यक्रम प्रदान किया जाना चाहिए, जो उन्हें उस अनुशासन और उसके अनुप्रयोग के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के लिए विकल्प प्रदान करता हो।
- जो छात्र पारंपरिक विषयों को आगे बढ़ाने की इच्छा नहीं रखते हैं, उन्हें अपने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में उद्यमिता पाठ्यक्रम सहित कुछ कौशल-आधारित पाठ्यक्रम करने चाहिए।
- यूजीसी को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के संरक्षण और कुशल जनशक्ति का उत्पादन करने के लिए निरंतर आधार पर प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। विश्वविद्यालय केंद्र शुरू करने के लिए मामला उठाना चाहिए, जिससे राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक व्यापार (औद्योगिक विकास) को बढ़ावा मिले।
- नई शिक्षा नीति-2020 के बाद शिक्षा प्रणाली को और अधिक व्यावहारिक और रोजगारोन्मुखी बनाया जा सकता है। नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी प्रदान करने में सक्षम लोग तैयार करने चाहिए।
- कौशल आधारित शिक्षा उच्चशिक्षा का हिस्सा होनी चाहिए और इसे आइटीआइ और पॉलिटेक्निक तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

वातावरण को स्वच्छ बनाना है

वातावरण को स्वच्छ बनाना है,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है।
घर-आंगन में पेड़ लगाना है,
मिलकर धरती मां को बचाना है।
प्लास्टिक पैक हो या फिर बोतल,
हर जगह से चुन-चुन उठाना है।
पानी की हर बूंद को बचाना है,
जल प्रदूषण से भी पार पाना है।
बिजली को व्यर्थ नहीं जलाना है,
राष्ट्र हित में ऊर्जा को बचाना है।
किसान को जागरूक करना है,
पराली को हरगिज नहीं जलाना है।
वातावरण को स्वच्छ बनाना है।।

इंसान को बचाना है

हर इंसान को बचाना है,
सबको कोविड का टीका लगवाना है।
जब तक पूर्ण न हो सुरक्षा चक्र ,
हर किसी को मास्क पहनना है।
स्वदेशी वैक्सीन है पूर्ण सुरक्षित,
हमें भ्रम नहीं फैलाना है।
साबुन से हाथ भी धोना है,
दो गज का अंतर रखना है।
जब तक पूर्ण न हो टीकाकरण,
सब को सावधान रहना है।
इम्युनिटी को भी बढ़ाना है,
टीका भी सबको लगवाना है।
अपने को भी सुरक्षित रखना है,
पड़ोसी को भी बचाना है।
वैक्सीन जब तक न आए,
तब तक ढिलाई नहीं दिखाना है।
अगर नजर आए कोरोना के लक्षण,
बिना देरी के डॉक्टर को दिखाना है।
कोरोना का टेस्ट कराने से,
कतई नहीं हिचकिचाना है।
अपने को बचाना है।
भारत को बचाना है।।

प्रो. रमेश चन्द्र कुहाड़
कुलपति
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

सीबीएसई ने जारी किया बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तरफ से आयोजित की जाने वाली 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं चार मई से शुरू होंगी। 10वीं कक्षा की परीक्षाएं सात जून को खत्म हो जाएंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाओं का समापन 11 जून को होगा।

निशंक ने छात्रों को आनलाइन संबोधित करते हुए कहा 'शिक्षा के साथ सुरक्षा सिद्धांत का पालन करते हुए सीबीएसई हर छात्र की शिक्षा और सुरक्षा के लिए विभिन्न उपायों को अपनाएगा। परीक्षाओं के लिए अधिक परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। वहीं, अगर कोई छात्र तनाव महसूस करता है, तो वह मनोदर्पण पोर्टल पर टोल फ्री नंबर 844-844-0632 से संपर्क कर सकता है।' निशंक ने बताया कि कक्षा 12वीं के कुल 111 और 10वीं के कुल 75 विषयों की परीक्षा होनी है। इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं के 34 लाख से ज्यादा छात्र परीक्षा देंगे। जबकि 2020 में करीब 30 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी।

परीक्षा की घड़ी : रमेश पोखरियाल निशंक

केंद्रीय शिक्षा मंत्री निशंक ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम, 11 जून तक चलनी हैं परीक्षाएं

दो पारी में होगी कक्षा 12वीं की परीक्षा : 12वीं की परीक्षाएं दो पारियों में होंगी। पहली पारी में 10:30 बजे से 01:30 बजे तक और दूसरी पारी में 02:30 से 05:30 बजे तक होगी। 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 10:30 बजे से 1:30 बजे के बीच होंगी।

चार मई से शुरू होंगी सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तरफ से आयोजित की जाने वाली 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। इसके तहत 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं चार मई से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं सात जून को खत्म हो जाएंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाओं का समापन 11 जून को होगा।

निशंक ने छात्रों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा 'शिक्षा के साथ सुरक्षा सिद्धांत का पालन करते हुए सीबीएसई हर छात्र की शिक्षा और सुरक्षा के लिए विभिन्न उपायों को अपनाएगा। बोर्ड ने यह भी निर्णय लिया है कि अधिक परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे, ताकि परीक्षा केंद्रों तक छात्र आसानी से पहुंच सकें। यदि छात्र तनाव महसूस करता है तो मनोदर्पण पोर्टल पर टोल फ्री नंबर 844-844-0632 पर संपर्क कर सकता है।' निशंक ने बताया कि 10वीं के कुल 75 और 12वीं के कुल 111 विषयों की परीक्षा होनी है। इस वर्ष 10वीं और 12वीं के 34 लाख से ज्यादा छात्र परीक्षा देंगे, जबकि 2020 में करीब 30 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी।

12वीं की परीक्षाएं दो पालियों में होंगी: 12वीं की परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली पाली में परीक्षाएं 10:30 बजे से 01:30 बजे तक और दूसरी पाली में 2:30 बजे से 5:30 बजे तक होंगी। हालांकि, 10वीं की परीक्षाएं एक ही पाली में आयोजित होंगी, जो 10:30 बजे से 1:30 बजे तक चलेंगी।

घोषणा

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री निशंक ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम
- 15 जुलाई से पहले कर दी जाएगी नतीजों की घोषणा

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ● फाइल फोटो

यूजीसी–नेट मई में, दो मार्च तक किए जा सकेंगे आवेदन

जाब्यू, नई दिल्ली : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) मई में होगी। यह दो मई से 17 मई तक चलेगी। परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दो मार्च तक आवेदन किए जा सकेंगे। परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को ट्वीट कर यूजीसी–नेट के कार्यक्रम की जानकारी दी। इन परीक्षाओं का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी करती है। दो पालियों में परीक्षाएं होंगी। बता दें कि जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसरों की पात्रता के लिए हर साल यह परीक्षा होती है।

2.5 नैक स्कोर जरूरी किया उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए, मान्यता लेने के लिए 165 विवि को बनाया मेंटर

यूजीसी का फैसला, नैक मान्यता नहीं लेने वाले यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में पढ़ाई 2022 से बंद होगी

लोकेंद्र सिंह तोमर | बीकानेर

अगले सत्र यानी 2022 से 2.5 नैक स्कोर वाले विवि और कॉलेज में ही पढ़ाई हो सकेगी। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नए व सख्त नियम तय कर दिए हैं। देशभर में 936 विवि और करीब 51 हजार से ज्यादा कॉलेजों को एक साल के भीतर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की मान्यता लेनी होगी। यदि किसी शिक्षण संस्थान के पास 2.5 नैक स्कोर नहीं है तो ऐसे संस्थान अगले साल से पढाई नहीं करा सकेंगे।

इस संबंध में यूजीसी के सचिव रजनीश जैन ने सभी राज्यों और विवि समेत सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को पत्र लिखा है। यूजीसी रेगुलेशन 2012 के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए नैक मान्यता अनिवार्य की गई थी। हर छह साल के बाद उन्हें फिर से मान्यता लेनी होगी। जिन संस्थानों ने नैक मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया, उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए 165 बड़े विवि को उनका मेंटर बनाया गया है।

राजस्थान विवि जयपुर के कुलपति राजीव जैन बताते हैं कि यूजीसी का कदम बहुत सराहनीय है। बस उम्मीद करते हैं कि इसे फलीभूत कर लें। आज विवि को यूजीसी, रूसा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद या अन्य मदों से ग्रांट मिलती है। अगर कॉलेज का ग्रेड अच्छा है तो अच्छी ग्रांट मिलेगी। इससे आने वाले एक दशक में बहुत अच्छा शैक्षणिक माहौल बनेगा। निके पास ग्रेड नहीं होगा वे पिछड़ते जाएंगे। छात्र भी उनको तवज्जो नहीं देंगे।

भास्कर EXPLAINER — सात आधार पर मिलेगी मान्यता

अभी तक उच्च शिक्षण संस्थानों को नैक एक्रेडिएशन जरूरी नहीं था। भारत में नैक उच्च शिक्षण संस्थानों का आकलन और प्रत्यापन करके स्कोर जारी करती है। अभी तक यूजीसी की ओर से विभिन्न विवि के प्रोफेसर को मिलाकर एक कमेटी गठित कर दी जाती थी। जो विवि और कॉलेज, शिक्षक, छात्र अनुपात, रिजल्ट, रिसर्च समेत अन्य मापदंडों के आधार पर नैक स्कोर करती थी। भ्रष्टाचार जैसी शिकायतों के बाद अब आईआईएम, आईआईटी जैसे संस्थानों को भी इसमें शामिल किया जा रहा है। यूजीसी की ओर से नैक मान्यता के लिए सात आधार तय किए गए हैं। इसमें करिकुलम, टीचिंग-लर्निंग, रिसर्च एक्सटेंशन , इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टूडेंट सपोर्ट, गवर्नेंस लीडरशिप और इनोवेशन बेस प्रैक्टिस शामिल है। करिकुलम के लिए 150, टीचिंग-लर्निंग के 200, रिसर्च-एक्सटेंशन के 250 अंक तय किए गए हैं। शेष सभी चार बिंदुओं के लिए 100-100 तय किए गए हैं।

स्कोर कार्ड और ग्रेड से समझें स्थिति

सात बिंदुओं के 1000 अंकों के आधार पर स्कोर कार्ड तैयार होगा। इसका हाई स्कोर 3.51 से 4 तक होगा और इस स्कोर वाले कॉलेजों को ए++ ग्रेड दिया जाएगा। 3.26 से 3.50 के बीच ए+, 3.01 से 3.25 के बीच ग्रेड ए, 2.76 से 3.00 के बीच बी++, 2.51 से 2.75 के बीच बी+, 2.1 से 2.50 के बीच ग्रेड बी, 1.51 से 2.00 के बीच अंक पाने वाले सी ग्रेड हासिल करेंगे और 1.50 तक स्कोर कार्ड वालों को डी ग्रेड दिया जाएगा।

दुनिया के टॉप 500 में भारत के सिर्फ 8

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग 2021 में दुनियां के 500 शिक्षण संस्थानों में भारत के सिर्फ आठ इंस्टीटयूट को ही जगह मिली है। क्यूएस लिस्ट में आईआईटी मुंबई को 172 वां स्थान मिला है जो 2020 में 152 वें पायदान पर था। आईआईएससी बैंगलोर 185,आईआईटी दिल्ली 193,आईआईटी मद्रास 275,आईआईटी खड़गपुर 314, आईआईटी कानपुर 350, आईआईटी रुडकी 383 और आईआईटी गुवाहाटी 470 वें स्थान पर है। दिल्ली यूनिवर्सिटी को 501 से 510 के बीच जगह मिल पाई।

आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने वाला है बजट : प्रो. आरसी कुहाड़

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: केंद्रीय आम बजट 2021-22 आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बजट है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विशेष रूप से इस बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा ध्यान दिया गया है। इससे युवाओं को भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान के लिए भरपूर अवसर मिलेगा। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सोमवार को आम बजट पर आयोजित एक ऑनलाइन चर्चा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह बजट शिक्षा की बेहतरी में सहयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि बजट से सभी वर्गों को कुछ न

बजट परिचर्चा में भाग लेते हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ● साभार हकेंवि

कुछ आशाएं होती हैं और सरकार की कोशिश रहती है कि वह सभी की बेहतरी के लिए प्रावधान करें। इस बजट में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि आदि क्षेत्रों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जो कि इन क्षेत्रों के विकास में मददगार साबित होंगी। विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित इस चर्चा में भारतीय अर्थव्यवस्था व शिक्षा के क्षेत्र में आम बजट के प्रावधानों पर विस्तार से विमर्श हुआ। इस चर्चा में विशेषज्ञ के रूप में दिल्ली विवि के प्रो. अश्वनी महाजन, पीएचडीसीसीआइ के मुख्य अर्थशास्त्री डा. एसपी शर्मा, बजाज फाइनेंस के निदेशक डा. विनोद कुमार तथा विवि के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अधिष्ठाता डा. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने आम बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, कृषि सहित कोरोना संकट के परिणाम स्वरूप भी विभिन्न आवश्यक उपायों पर भी प्रकाश डाला। यह बजट अवश्य ही हर वर्ग के लिए राहत का मार्ग प्रशस्त करने वाला बजट है। विवि में इस ऑनलाइन चर्चा का संयोजन डा. आनंद शर्मा ने किया, जबकि सह संयोजन डा. अजय कुमार व आलेख एस. नायक ने किया।

आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करेगा बजट

माई सिटी रिपोर्टर

केंद्रीय आम बजट 2021-22 पर हकेंवि में ऑनलाइन चर्चा आयोजित

महेंद्रगढ़। हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि केंद्रीय आम बजट 2021-22 आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने विशेष उल्लेख किया है। जो कि युवाओं को भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान हेतु भरपूर अवसर प्रदान करेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सोमवार को आम बजट पर आयोजित एक ऑनलाइन चर्चा में कहा कि यह बजट शिक्षा की बेहतरी में सहयोगी साबित होगा। विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित इस चर्चा में भारतीय अर्थव्यवस्था, शिक्षा के क्षेत्र में आम बजट के प्रावधानों पर विस्तार से विमर्श हुआ। इस चर्चा में विशेषज्ञ के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अश्वनी महाजन, पीएचडीसीसीआई के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. एसपी शर्मा, बजाज फाइनेंस के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने आम बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, कृषि सहित कोरोना संकट के परिणाम स्वरूप भी विभिन्न आवश्यक उपायों पर भी प्रकाश डाला। बताया कि यह बजट अवश्य ही हर वर्ग के लिए राहत का मार्ग प्रशस्त करने वाला बजट है। विश्वविद्यालय में इस ऑनलाइन चर्चा का संयोजन डॉ. आनंद शर्मा ने किया। सह संयोजन डॉ. अजय कुमार, आलेख एस. नायक ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी

'उपलब्धियों के लिए सर्वोत्तम संस्थान है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय'

उम्मीदों भरे भारत के निर्माण में नीति, नीयत और नेतृत्व की भूमिका महत्वपूर्ण: संजय धोत्रे

महेंद्रगढ़, 27 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सातवें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने मुख्यातिथि के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से संसद सदस्य धर्मबीर सिंह समारोह में ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। विश्वविद्यालय के मूलचंद सभागार में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। मुख्यातिथि संजय धोत्रे ने कहा कि आज का भारत उम्मीदों का भारत है और नए भारत के निर्माण में नीति, नीयत और नेतृत्व की भूमिका अहम है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है और समूचा विश्व भारत के प्रति सम्मान रखता है और उसकी ओर उम्मीदों के देखता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने आभासी माध्यम से जुड़े मुख्यातिथि के समक्ष अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया।

संजय धोत्रे ने सभी उपाधिधारकों व स्वर्ण पदक विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत बहुत तीव्र गति ने उन्नति कर रहा है। हमारे देश को 21वीं सदी में वैश्विक ज्ञान का सुपरपावर बनाने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। यह शिक्षा नीति मल्टीडिस्पिलनरी एप्रोच के साथ विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के भरपूर अवसर प्रदान करती है। उन्होंने राज्य की महिला शक्ति का उल्लेख करते हुए कल्पना चावला, रानी रामपाल, साक्षी मलिक तथा फोगाट बहनों के योगदान को भी याद किया। संजय धोत्रे ने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की।

मेधावी छात्रा को डिग्री प्रदान करते प्रो. कुहाड़ तथा सामूहिक चित्र में डिग्रियों व पदकों के साथ विद्यार्थी।

विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. कुहाड़ ने कहा कि तीन नई शोध परियोजनाओं एवं पिछले एक वर्ष में अतिरिक्त अनुदान के रूप में 25.70 लाख रुपए जारी किए जाने के साथ, वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा 20 वित्त पोषित शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा पिछले एक वर्ष के दौरान 3 नए पेटेंट दायर किए गए और 4 पेटेंट प्रकाशित किए गए। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 83 पुस्तकों या पुस्तक अध्यायों में 195 शोध पत्र प्रकाशित किए। इसी कड़ी में सूक्ष्मजीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा विषयक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स ने 50 से अधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, संस्थानों व खाद्य उद्योगों के 3617 शिक्षार्थियों के रिकॉर्ड नामांकन के साथ तीसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा किया है।

22 स्वर्ण पदक सहित 757 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के 7वें दीक्षांत समारोह में कुल 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक. में 107 तथा बी.वॉक. में 55 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 573 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 14 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 8 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 757 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 441 छात्र और 316 छात्राएं शामिल हैं। इनमें से 562 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं।

इस कोर्स का यूजीसी और सीईसी ने 10 अलग-अलग भारतीय भाषाओं में अनुवाद एवं इसके उपशीर्षक की शुरुआत की है, और सफलतापूर्वक अनुवाद के पश्चात् इसे 'स्वयं' प्लेटफार्म पर प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एक ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम शुरू किया गया है जिसमें 34 विषयों की 260 से अधिक पाठ्यक्रमों की ई-सामग्री उपलब्ध है।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय में कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्यों के अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव डॉ. जे.पी भूकर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव, वित्त अधिकारी श्री मनोरंजन त्रिपाठी, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sun,28 February 2021
Edition: rewari kesari, Page no. 4